दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

सिद्धार्थनगर
मंगलवार, 09 सितंबर 2025
वर्ष: 12 अंक : 269 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/- रुपया

कपड़ों पर लगे पेन के दागों को छुड़ाने ...8

नेपाल में सोशल मीडिया बैन करने का विरोध

सड़कों पर उतरे लाखों युवा, हिंसक प्रदर्शन में अब तक 19 की मौत

नई दिल्ली। श्रीलंका और बांग्लादेश के बाद अब नेपाल में भी युवा सरकार के खिलाफ बगावत पर उतर आए। इंटरनेट मीडिया पर प्रतिबंध लगाने और देश में व्याप्त भ्रष्टाचार के विरोध में जेन-जी के बैनर तले हजारों युवाओं ने राजधानी काठमांडू और विभिन्न शहरों में हिंसक प्रदर्शन किए हैं। प्रदर्शनकारियों में सैकड़ों छात्र स्कूल व कॉलेज की यूनिफॉर्म में देखे गए। हिंसा पर उतारू प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 12 साल के स्कूली बच्चे समेत कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई, जबकि लगभग 380 घायल हैं। काठमांडू में कर्फ्यू के साथ ही सेना तैनात कर दी गई है। कई अन्य शहरों में भी कर्फ्यू लगाया गया है। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने कैबिनेट की आपात बैठक बुलाकर हालात पर विचार-विमर्श किया।

संसद के सुरक्षाकर्मियों पर पथराव किया: प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, प्रदर्शन उस समय हिंसक हो गया जब कुछ प्रदर्शनकारी बैरिकेड्स तोड़कर संसद परिसर में घुस गए, एंबुलेंस को आग लगा दी और संसद के सुरक्षाकर्मियों पर पथराव किया। इसके बाद पुलिस को प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज, आंसू गैस के गोले, हवाई फायरिंग और रबर की गोलियों का इस्तेमाल करना पड़ा। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 17 लोग काठमांडू के विभिन्न हिस्सों में संघर्ष के दौरान मारे गए, जबकि दो लोग पूर्वी नेपाल के सुनसरी जिले में पुलिस फायरिंग में मारे गए हैं। हिंसा के बाद संसद भवन, राष्ट्रपति भवन, उपराष्ट्रपति आवास और प्रधानमंत्री कार्यालय के आसपास के क्षेत्र में कर्फ्यू लगा दिया गया है।

नेपाल गृह मंत्री ने दिया इस्तीफा

बाद में नेपाल की गठबंधन सरकार में गृह मंत्री एवं नेपाली कांग्रेस के नेता रमेश लेखक ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया। नेपाल में हिंसा के मद्देनजर भारत में सीमा की सुरक्षा में तैनात सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने सतर्कता बढ़ा दी है। ओली सरकार ने फेसबुक, वॉट्सएप और एक्स सहित 26 इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्मों पर प्रतिबंध लगा दिया था। यह कार्रवाई पंजीकरण नहीं कराने पर चार सितंबर को की गई थी। नेपाल की लगभग तीन करोड़ की आबादी में 90 प्रतिशत लोग इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं। काठमांडू पोस्ट के अनुसार, प्रतिबंध को तुरंत हटाने की मांग करते हुए सोमवार को काठमांडू में हजारों युवा संसद भवन के सामने इकट्ठा हुए और सरकार विरोधी नारे लगाए।

कल मिलेगा देश को नया उपराष्ट्रपति, राधाकृष्णन के सामने सुदर्शनय क्या कहते हैं आंकड़े?

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मंगलवार को होने वाले मतदान से पहले सोमवार को सत्तापक्ष तथा विपक्ष ने अपने-अपने सांसदों के साथ बैठक कर चुनावी मुकाबले की तैयारियां पूरी कर लीं। भाजपा ने वोटिंग से पहले अपने सांसदों की कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत पार्टी के सभी सदस्यों ने हिस्सा लिया। उधर, सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, शरद पवार तथा अखिलेश यादव की मौजूदगी में विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए के सांसदों की बैठक में मॉक वोटिंग के जरिए तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया।

दिवाली-छठ पर बिहार के लिए चलेंगी 12000 से अधिक विशेष ट्रेनें: सम्राट चौधरी

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को कहा कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने दिवाली और छठ पर्व के अवसर पर बिहार के लिए 12000 से अधिक विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। उपमुख्यमंत्री ने एक्स लिखा कि इस वर्ष विशेष ट्रेन की कुल संख्या 12739 होगी, जबकि 2024 में यह संख्या 7500 से अधिक थी। उन्होंने कहा कि इनमें से 8891 ट्रेन की अधिसूचना पहले ही जारी हो चुकी है। भाजपा विधानमंडल दल के नेता चौधरी ने इस फैसले को ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि यह बिहार के उन लाखों लोगों को सुविधा पहुंचाने की मोदी सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जो त्योहारों के दौरान अपने घर लौटना चाहते हैं। चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को बिहार के प्रति इस विशेष स्नेह के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सक्षम नेतृत्व की प्रशंसा भी की।

विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश का बड़ा मास्टरस्ट्रोक

आंगनबाड़ी सेविकाओं का मानदेय बढ़ा!

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को राज्य भर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के मासिक वजीफे में बढ़ोतरी की घोषणा की, जिसे चुनाव से पहले एक बड़ा तोहफा माना जा रहा है। नए आदेश के तहत, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं (सेविकाओं) को अब 7,000 से बढ़कर 9,000 रुपये प्रति माह मिलेंगे, जबकि सहायिकाओं का वजीफा 4,000 से बढ़कर 4,500 हो जाएगा। कुमार ने एक्स पर एक पोस्ट में इस फैसले की पुष्टि की और बताया कि संबंधित विभाग को निर्देश पहले ही जारी कर दिए गए हैं। इस फैसले से न सिर्फ आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि गर्भवती महिलाओं और बच्चों को मिलने वाली पोषण व स्वास्थ्य सेवाएं भी और बेहतर होंगी। इस घोषणा के साथ उन्होंने यह साफ कर दिया है कि नीतीश सबके हैं। उन्होंने समाज के हर वर्ग को आर्थिक लाभ देने की कोशिश की है। पहले आंगनबाड़ी सेविका को 7,000 और सहायिका को 4,000 रुपये मासिक मानदेय मिलता था। सरकार का मानना है कि सेविकाएं और सहायिकाएं गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य सुधार में अहम भूमिका निभाती हैं। उनके योगदान को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे न सिर्फ आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि समेकित बाल विकास सेवाएं और मजबूत होंगी। नीतीश ने एक्स पर लिखा कि राज्य में बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के पोषण एवं जीवन स्तर में सुधार करने में आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं सहायिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उनकी इसी भूमिका का सम्मान करते हुये हमलोगों ने उनके मानदेय में वृद्धि करने का निर्णय लिया है। अब आंगनबाड़ी सेविका का मानदेय 7,000 रुपये से बढ़ाकर 9,000 रुपये तथा आंगनबाड़ी सहायिका का मानदेय 4,000 रुपये से बढ़ाकर 4,500 रुपये करने हेतु विभाग को निर्देशित किया गया है।

एसआईआर पर सुनवाई में आधार कार्ड की एंट्री, पहचान के लिए सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को दिया ये आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को एक बार फिर से बिहार में मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान आधार को मतदाताओं की पहचान स्थापित करने के लिए 12वें दस्तावेज के रूप में शामिल करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही इसे लेकर तुरंत दिशा-निर्देश जारी करने को कहा है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट किया है कि आधार का इस्तेमाल सिर्फ पहचान के लिए किया जाएगा, ये नागरिकता का दस्तावेज नहीं है। नागरिकता प्रमाणित करने के लिए दूसरे दस्तावेज देने होंगे। वहीं याचिका पर अब अगले सप्ताह यानी 15 सितंबर को फिर सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बिहार एसआईआर पर सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग को यह निर्देश तब दिया, जब याचिकाकर्ताओं की ओर से यह आरोप लगाया गया कि उनके निर्देश के बाद भी बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) आधार को दस्तावेज के रूप में स्वीकार नहीं कर रहे हैं।

नेकां अध्यक्ष, जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री ने शेख अब्दुल्ला को श्रद्धांजलि दी

श्रीनगर। नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को पार्टी के संस्थापक शेख मोहम्मद अब्दुल्ला को उनकी 43वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी। दोनों नेताओं ने हजरतबल क्षेत्र स्थित नसीमबाग में शेख अब्दुल्ला के मकबरे पर पुष्पांजलि अर्पित की। शेख अब्दुल्ला को 'शेर-ए-कश्मीर' कहा जाता था। इस अवसर पर विशेष दुआओं का आयोजन भी किया गया। शेख अब्दुल्ला को जम्मू कश्मीर में भूमि सुधार (भूमि किसानों को देने का कानून) और शिक्षा का अधिकार जैसे निर्णयों के माध्यम से सामाजिक-आर्थिक बदलाव लाने का श्रेय दिया जाता है। उन्हें जम्मू कश्मीर के भारत में विलय में भी एक अहम भूमिका निभाने के लिए जाना जाता है। अब्दुल्ला परिवार के अलावा, इस कार्यक्रम में जम्मू कश्मीर विधानसभा के अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर, मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी, पार्टी महासचिव अली मोहम्मद सागर सहित अन्य वरिष्ठ नेता भी उपस्थित थे।

निर्वाचन आयोग 'वोट चोरी के लिए भाजपा का बैक-ऑफिस' बन गया है: खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) की भूमिका पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि वह (आयोग) 'वोट चोरी के लिए भाजपा का बैक-ऑफिस' बन गया है। खरगे ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'कालक्रम को समझें। मई 2023 के कर्नाटक चुनाव से पहले, कांग्रेस ने अलंद निर्वाचन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाने का खुलासा किया था। प्रपत्र संख्या-सात में फर्जीवाड़ा कर हजारों मतदाताओं के मताधिकार छीन लिये गये।' उन्होंने कहा, 'फरवरी 2023 में एक मामला दर्ज किया गया। जांच में 5,994 जाली आवेदनों का खुलासा हुआ। यह मतदाता धोखाधड़ी के बड़े पैमाने पर प्रयास का एक स्पष्ट प्रमाण है। इसके बाद कांग्रेस सरकार ने दोषियों को पकड़ने के लिए सीआईडी को जांच का आदेश दिया।'

खरगे ने कहा, 'लेकिन यहां पेच यह है कि जहां निर्वाचन आयोग ने पहले जालसाजी का पता लगाने के लिए आवश्यक दस्तावेजों का कुछ हिस्सा साझा किया था तो वहीं अब उसने महत्वपूर्ण जानकारी को छुपा लिया है और (आयोग) वोट चोरी के पीछे के लोगों को प्रभावी ढंग से बचा रहा है।' उन्होंने पूछा, 'निर्वाचन आयोग ने अचानक महत्वपूर्ण सबूतों को क्यों रोक दिया है? वह किसे बचा रहा है? भाजपा के वोट चोरी विभाग को?'

न्यायालय ने धन शोधन मामले में पत्रकार की जमानत याचिका पर गुजरात सरकार, ईडी से जवाब मांगा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को गुजरात सरकार और प्रवर्तन निदेशालय से पत्रकार महेश लांगा की कथित वित्तीय धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले में जमानत का अनुरोध करने वाली याचिका पर जवाब मांगा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने गुजरात उच्च न्यायालय द्वारा जमानत देने से इनकार करने को चुनौती देने वाली लांगा की याचिका पर नोटिस जारी किया, लेकिन सवाल किया कि वह किस तरह के पत्रकार हैं। पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से कहा, 'वह किस तरह के पत्रकार हैं?' पीठ ने सिब्बल से कहा, 'पूरे सम्मान के साथ कहें तो, कुछ बहुत ही सच्चे पत्रकार हैं। लेकिन कुछ लोग ऐसे भी हैं जो स्कूटर पर बैठकर कहते हैं कि हम पत्रकार हैं और वे असल में क्या करते हैं, यह सबको पता है।' सिब्बल ने जवाब दिया कि ये सब आरोप हैं। सिब्बल ने कहा, 'एक प्राथमिकी में उन्हें अग्रिम जमानत मिल जाती है, फिर दूसरी प्राथमिकी दर्ज होती है और फिर से अग्रिम जमानत मिल जाती है, लेकिन अब उन पर आयकर चोरी के आरोप में तीसरी प्राथमिकी दर्ज की गई है। उनके खिलाफ और भी कई आरोप हैं।' उन्होंने कहा कि इस मामले की पृष्ठभूमि भी है। पीठ ने नोटिस जारी कर अधिकारियों से जवाब मांगा। गुजरात उच्च न्यायालय ने 31 जुलाई को धन शोधन मामले में लांगा की जमानत याचिका इस आधार पर खारिज कर दी थी कि अगर उन्हें जमानत पर रिहा किया गया तो अभियोजन पक्ष के मामले पर प्रतिकूल प्रभाव

किस तरह के जज हैं आप?

लालू से मुलाकात पर रविशंकर प्रसाद का सुदर्शन रेड्डी पर हमला

नई दिल्ली। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने सोमवार को इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी द्वारा चारा घोटाले के दोषी लालू प्रसाद से मुलाकात की कड़ी निंदा की। नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए भाजपा सांसद ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश सुदर्शन रेड्डी उपराष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के उम्मीदवार हैं। हम आज भी न्यायाधीशों का बहुत सम्मान करते हैं, चाहे वे वर्तमान में कार्यरत हों या सेवानिवृत्त। लेकिन जब कोई न्यायाधीश चुनाव में खड़ा होकर कुछ बड़ी बातें कहता है, तो सवाल जरूर उठेंगे।

रेड्डी के एक अखबार के लेख की ओर इशारा करते हुए जिसमें उन्होंने कहा था, "देश की आत्मा बचाने के लिए मुझे वोट दें" विपक्षी उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार। प्रसाद ने कहा कि रेड्डी ने इस लेख में देश को बचाने के लिए कई बड़ी बातें कही हैं। उन्होंने आगे कहा, "उन्होंने लोकतंत्र के मंदिर और "अंतरात्मा" की बात की। सुदर्शन रेड्डी ने बयान दिया है कि देश की आत्मा बचाने के लिए मुझे वोट दें।" लालू प्रसाद से मुलाकात के लिए रेड्डी पर निशाना साधते हुए उन्होंने पूछा, "आप सुप्रीम कोर्ट के किस तरह के सेवानिवृत्त न्यायाधीश हैं कि आप किसी ऐसे व्यक्ति से मिल रहे हैं जो घोटाले का दोषी है? और लालू प्रसाद तो मतदाता भी नहीं हैं और न ही सांसद, फिर आप राष्ट्र की आत्मा की प्रशंसा करने की बात क्यों कर रहे हैं? यह पाखंड है! कृपया राष्ट्र की आत्मा की बात न करें।"

उन्होंने आगे कहा कि यह घोर पाखंड है और हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। यह निंदा के योग्य है। इससे पहले, भाजपा नेता अमित मालवीय ने भी लालू प्रसाद से मुलाकात के लिए रेड्डी की आलोचना की। उन्होंने इस मुलाकात को किसी उच्च संवैधानिक पद के आकांक्षी व्यक्ति द्वारा सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी पर एक चौंकाने वाला बयान बताया।

नीतीश-मोदी सरकार पर तेजस्वी का वार

20 साल में बिहार क्यों बना बेरोजगारी-पलायन का गढ़?

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही, राज्य के पूर्व उपमंत्री और पूर्व राजद विधायक तेजस्वी यादव ने सोमवार को दावा किया कि एनडीए सरकार ने बिहार को बेरोजगारी, पलायन और गरीबी का केंद्र बना दिया है। X पर एक पोस्ट में, तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में 20 साल और केंद्र में 11 साल से नीतीश-मोदी सरकार के सत्ता में रहने के बावजूद, एनडीए सरकार ने बिहार को बेरोजगारी, पलायन और गरीबी का मुख्य केंद्र बना दिया है। यह मेरा दावा नहीं है, बल्कि भारत सरकार की नीति आयोग की रिपोर्टें साल-दर-साल यही कहती आ रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि पिछले 20 वर्षों में बिहार की प्रति व्यक्ति आय दुनिया के सबसे गरीब अफ्रीकी देशों, युगांडा और रवांडा से भी कम रही है। राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के बेटे ने अपने पोस्ट के माध्यम से नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल पूछते हुए कहा कि बिहार बेरोजगारी का मुख्य केंद्र क्यों है? और पिछले 20 वर्षों में बिहार से कितना पलायन हुआ है, और बिहार में पलायन अभूतपूर्व दर से क्यों बढ़ रहा है? इसके अलावा, तेजस्वी यादव ने पूछा कि सरकार ने 20 सालों में राज्य में क्षेत्र-विशिष्ट क्लस्टर क्यों नहीं बनाए। उन्होंने यह भी पूछा कि राज्य में कितनी मिलें, कुल कितने उद्योग और कारखाने बंद हुए हैं। इसके अलावा, उन्होंने पिछले 20 सालों में परीक्षा और भर्ती प्रक्रियाओं की पारदर्शिता पर भी सरकार से सवाल किया। इससे पहले, तेजस्वी यादव ने रविवार को बिहार की एनडीए सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था कि बिहार की जनता पूछेगी कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात में अधिक तौर पर कारखाने लगाकर बिहार में जीत हासिल कर सकते हैं। उन्होंने राज्य में विकास की कमी को लेकर एनडीए सरकार की भी आलोचना की। पत्रकारों से बात करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा, "अपराध और भ्रष्टाचार बढ़ गया है। बिहार की यही स्थिति है। शिक्षा, सिंचाई और स्वास्थ्य सेवा की हालत देखिए।

सीएम ने प्रदेश के 1112 कनिष्ठ सहायक तथा 22 एक्स–रे टेक्निशियनों का नियुक्ति पत्र किया वितरण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उ0प्र0 अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया के अन्तर्गत प्रदेश के 1112 कनिष्ठ सहायक तथा 22 एक्स–रे टेक्निशियन नियुक्ति पत्र वितरण मुख्यमंत्री उ0प्र0 सरकार योगी आदित्यनाथ द्वारा लोक भवन सभागार लखनऊ से किया गया। जिसका लाइव प्रसारण अम्बेडकर सभागार में विधायक बांसी जय प्रताप सिंह, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, विधायक डुमरियागंज श्रीमती सैयदा खातून, जिलाधिकारी डॉ0 राजागणपति आर0 एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह व लाभार्थियों की उपस्थिति में देखा गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 द्वारा विधायक बांसी जय प्रताप सिंह, मुख्य विकास अधिकारी बलराम

सिंह द्वारा विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, विधायक डुमरियागंज श्रीमती सैयदा खातून को बुके देकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर विधायक बांसी जय प्रताप सिंह ने कहा कि नवनियुक्त कनिष्ठ सहायकों को बधाई दिया। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उ0प्र0 सरकार द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से भर्ती प्रक्रिया पूरी की जा रही है। उ0प्र0 सरकार में लगभग 8.5 लाख लोगों को सरकारी नौकरी दी गयी है। इसके साथ–साथ स्वास्थ्य विभाग के कनिष्ठ सहायकों द्वारा पत्रावली चलाई जाती है। आप लोग बिना भेदभाव के जनता की सेवा करें। इसके साथ ही पूरी ईमानदारी एवं विभाग के प्रति निष्ठापूर्वक कार्य करें। इस अवसर पर विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही ने नवनियुक्त कनिष्ठ सहायकों को बधाई दिया। विधायक कपिलवस्तु ने कहा कि मुख्यमंत्री जी द्वारा पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया से रोजगार दिया जा रहा है।

भारत सरकार/प्रदेश सरकार द्वारा चलायी जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव के पात्र लाभार्थियों को दिया जा रहा है। विधायक डुमरियागंज श्रीमती सैय्यदा खातून ने नवनियुक्त कनिष्ठ सहायकों को बधाई दिया गया। जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 ने नवनियुक्त कनिष्ठ सहायकों को बधाई दिया। मुख्यमंत्री जी के कर कमलों द्वारा आज लोक भवन सभागार लखनऊ में प्रदेश के 1112 कनिष्ठ सहायक तथा 22 एक्स–रे टेक्निशियन नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। जनपद सिद्धार्थनगर के 07 कनिष्ठ सहायकों– अमित गुप्ता, अरविन्द कुमार गौतम, आशीष कुमार पाण्डेय, दया शंकर मिश्रा, शिव कुमार पाठक, स्वपनिल श्रीवास्तव, उमाशंकर बर्नवाल को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। जिलाधिकारी ने सभी को पुनः बधाई दिया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 रजत कुमार चौरसिया द्वारा विधायक बांसी जय प्रताप सिंह, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, विधायक डुमरियागंज श्रीमती सैयदा खातून, जिलाधिकारी डॉ0 राजागणपति आर0 एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह एवं अन्य सभी का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त सांसद डुमरियागंज प्रतिनिधि एसपी अग्रवाल, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी, नवनियुक्त अभ्यर्थी आदि उपस्थित थे।

व्रती महिलाओं ने सती माता मंदिर में किया पूजा अर्चना

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। विकास क्षेत्र शोहरतगढ़ के ग्राम पंचायत परसोहिया नानकार के टोला कोमर में बानगंगा नदी के

तट पर स्थित सती माता मंदिर पर में महिलाओं ने अनन्त चतुर्दशी के अवसर पर बेहद श्रद्धापूर्वक पूजन वन्दन किया। कोमर में स्थित सती माता मंदिर में परम्परागत ढंग से अनन्त चतुर्दशी का पर्व श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस मौके पर महिलाओं ने व्रत रखा और विधिवत प्रकार से पूजन किया। इस दिन अनन्त भगवान की पूजा करके संकटों से रक्षा करने वाला अनन्त सूत्र बांधे जाने की परम्परा है। मान्यताओं के दृष्टिगत गांव की महिलाएं इस पावन पर्व पर व्रत रखकर भगवान विष्णु की पूजा करती हैं। मंदिर पर जुटी अनीता रावत, सौम्या वर्मा और कीर्ति वर्मा सहित अन्य महिलाओं ने बताया कि अनन्त भगवान विष्णु का ही एक नाम है। इस दिन विशेष रूप से 14 गांठों वाला रक्षा सूत्र बांधा जाता है। विश्वास है कि यह सूत्र सभी प्रकार की बाधाओं से रक्षा करता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार जब पाण्डव द्यूत क्रीड़ा में अपना राज्य हार कर वनवास भोग रहे थे, तब भगवान कृष्ण ने उन्हें अनन्त चतुर्दशी का व्रत करने का सुझाव दिया था। इस व्रत के प्रभाव से पाण्डव अपने सभी पापों से मुक्त हो गये थे। तभी से यह परम्परा निरन्तर चली आ रही है। इस दौरान महेन्द्र चौरसिया, योगेन्द्र यादव, अरुण कुमार, राजू, श्रीराम चौहान, आर्यन व पुजारी लाहब बाबा आदि लोग मौजूद रहे।

एसपीपीजी महाविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का प्रेरणादायक आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। स्थानीय शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर सोमवार को एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय की दोनों एनएसएस इकाईयां रानी लक्ष्मीबाई इकाई एवं स्वामी विवेकानन्द इकाई ने संयुक्त रूप से सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो0 अरविन्द कुमार सिंह ने की, जिन्होंने अपने सारगर्भित सम्बोधन में साक्षरता को सामाजिक परिवर्तन का मूल आधार बताया। उन्होंने कहा कि 'भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में साक्षरता केवल ज्ञान का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, आत्मनिर्भरता और लोकतांत्रिक चेतना की नींव है। जब एक नागरिक साक्षर होता है, तो वह पूरे समाज को रोशन करने की क्षमता रखता है।' आज जब हम वैश्विक मंच पर शिक्षा को मानवाधिकार के रूप में देख रहे

हैं, तब भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में साक्षरता सामाजिक समरसता और समावेशी विकास की कुंजी है। उन्होंने भारत की ऐतिहासिक शिक्षा परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि 'हमारे देश में तक्षशिला और नालन्दा जैसे विश्वविद्यालयों ने ज्ञान की लौ जलाकर विश्व को दिशा दी थी। आज उसी परम्परा को आगे बढ़ाते हुए हमें यह सुनिश्चित करना है कि समाज का कोई भी वर्ग शिक्षा से वंचित न रहे। जब एक व्यक्ति साक्षर होता है, तो वह केवल अपने लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए एक दीपक बनता है।' कार्यक्रम का उद्देश्य जन–जागरूकता और प्रेरणा देना रहा। प्राचार्य ने एनएसएस इकाईयों द्वारा किये गये प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि 'शिक्षा को जन–जन तक पहुंचाना ही हमारी सच्ची सेवा है।' इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 ए0के0 सिंह एवं डॉ0 राम किशोर सिंह ने भी साक्षरता अभियान की दिशा में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकों में डॉ0 धर्मेन्द्र सिंह, डॉ0 यू0एस0पी0 यादव, डॉ0 शशि शेखर, इन्द्रदेव वर्मा, डॉ0 अजय सिंह, राजू प्रजापति एवं रत्नेश सोनी की सक्रिय उपस्थिति रही। साथ ही छात्र–छात्राओं में जया, सबा, खुशी, शिवांगी, राजकमल आदि की सहभागिता उल्लेखनीय रही। सभी ने साक्षरता के महत्त्व को समझते हुए समाज में शिक्षा के प्रसार हेतु संकल्प लिया।

निपुण भारत मिशन के तहत पहले बैच के प्रशिक्षण का हुआ समापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। बीआरसी परसा में सोमवार को निपुण भारत मिशन के तहत बुनियादी भाषा एवं संख्या ज्ञान (एफएलएन) तथा एनसीईआरटी पाठ्य पुस्तकों पर आधारित समस्त प्राथमिक/कम्पोजिट विद्यालय के प्र0अ0, स0अ0 एवं शिक्षामित्रों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण के तहत पहले बैच के प्रशिक्षण का समापन हुआ। प्रशिक्षण का शुभारम्भ परसा खण्ड शिक्षा अधिकारी अरुण कुमार ने कहा कि विभिन्न विद्यालयों से आये सौ प्रतिभागी

शिक्षकों का अलग–अलग दो कमरों में रजिस्ट्रेशन किया गया था। वहीं प्रतिभागियों ने रजिस्ट्रेशन के बाद ऑनलाइन मोड में निर्धारित प्री टेस्ट दिया था। प्रशिक्षक सन्दर्भदाता विनीत भास्कर, राम राज चौधरी, विष्णु त्रिपाठी, अरविन्द कुमार आर्य, कुमार कमलेश्वर सिंह ने विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक व शिक्षामित्र को निपुण विद्यालय बनाने के लिए भाषा व गणित के संदर्शिका आधारित शिक्षण कार्य करने, ट्रैकर कार्यपत्रक निपुण तालिका व शिक्षक डायरी को भरने का तरीका बताया गया। समूह कार्य के माध्यम से सप्ताह के कार्य का तरीका सीखा। प्रशिक्षण के प्रथम फेरे के तहत दो अलग–अलग कमरों में 50–50 शिक्षकों व शिक्षामित्रों ने प्रतिभाग किया था। इस दौरान प्रशिक्षण में प्रतिभागी बृजेश कुमार, शैलेन्द्र श्रीवास्तव, विकास कसौधन, शैलेश उपाध्याय, विपिन कुमार उपाध्याय, प्रेमकान्त पाण्डेय, विनय कुमार चौधरी, विजय प्रकाश यादव, सुरेश कुमार यादव, विजय प्रताप, सुभाष चौधरी, सर्वजीत चौहान, जकाउल्लाह, जबीउल्लाह, दिवाकर गौतम, विजय कुमार, विकास कुमार पाण्डेय, शैलेश श्रीवास्तव, श्रीराम मौर्य, सुक्खू राम, सुनील, श्याम सिंह हाड़ा, योगेश मणि यादव, शत्रुघ्न प्रसाद, सुनील कुमार यादव, शिवनाथ, श्याम सुन्दर यादव, श्याम प्रकाश, शिवकुमार, सुरेश कुमार, शहाबुद्दीन, नेहा खरे, श्वेता पाण्डेय, सीमा सिंह, सुनीता सिंह, प्रतिमा पाठक, शैल कुमारी, सुनीता त्रिपाठी, शालिनी श्रीवास्तव, सीमा श्रीवास्तव, प्रतिमा पाठक आदि लोग मौजूद रहें। वहीं पांच दिवसीय प्रशिक्षण खण्ड शिक्षा अधिकारी बढ़नी अरुण कुमार की देख–रेख में सम्पन्न हुआ।

पुलिस ने हत्या का आरोपी 01 नफर वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार, घटना मे प्रयुक्त चाकू भी बरामद

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत एवं अपर पुलिस

अधीक्षक सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद के कुशल निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ पवीन प्रकाश के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक शोहरतगढ़ सन्तोष कुमार तिवारी मय टीम ने मु0अ0सं0–139/2025 धारा–103(1) बीएनएस में 01 नफर वांछित अभियुक्त को सोमवार को निर्माणाधीन पुलिया नकथर के पास से गिरफ्तार कर घटना मे प्रयुक्त चाकू बरामद किया गया। बरामदगी के आधार पर अभियोग उपरोक्त मे धारा 4/25 शस्त्र अधिनियम की बढ़ोत्तरी कर, आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए मा0 न्यायालय भेजा गया। वहीं गिरफ्तार वांछित अभियुक्त मोटू उर्फ असलम पुत्र कस्साब साकिन नकथर थाना शोहरतगढ़ जनपद सिद्धार्थनगर है। पुलिस द्वारा बरामदगी में घटना में प्रयुक्त एक अदद चाकू भी बरामद हुआ। इस दौरान गिरफ्तार करने वाले पुलिस टीम में नवागत प्रभारी निरीक्षक शोहरतगढ़ सन्तोष कुमार तिवारी, उप निरीक्षक विजय प्रताप यादव, कांस्टेबल धर्मनाथ यादव व कांस्टेबल नितीश यादव मौजूद रहे।

लाखों दीपों की रौशनी में जगमगाएगा वटवासिनी धाम

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। शारदीय नवरात्रि महापर्व के पंचमी दिवस 27 सितंबर को ऐतिहासिक सिद्धपीठ मां वटवासिनी महाकाली मंदिर, गालापुर में दिव्य दीपोत्सव और भव्य देवी जागरण का

आयोजन किया जाएगा। रविवार देर शाम हिंदू भवन पर धर्म रक्षा मंच की बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई। बैठक की अध्यक्षता पूर्व विधायक एवं धर्म रक्षा मंच के मुख्य संरक्षक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने की। बैठक में निर्णय लिया गया कि इस बार भी लाखों दीप प्रज्वलित कर दीपोत्सव मनाया जाएगा और सुप्रसिद्ध भजन गायकों द्वारा देवी जागरण एवं दिव्य झांकियां प्रस्तुत की जाएंगी। साथ ही श्रद्धालुओं के लिए फलाहार एवं प्रसाद वितरण की व्यवस्था भी होगी। पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि हर की तरह इस वर्ष भी यह आयोजन ऐतिहासिक और अविस्मरणीय बनाने का प्रयास किया जाएगा। सभी पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारी निष्ठापूर्वक निभाएं ताकि श्रद्धालु मां की भक्ति में पूर्णतः डूब सकें। गौरतलब है कि धर्म रक्षा मंच के तत्वाधान में पिछले 13 वर्षों से यह परंपरा चली आ रही है। हालांकि कोरोना महामारी के कारण एक वर्ष और बाढ़ आपदा के कारण एक वर्ष यह आयोजन प्रभावित रहा था। इस दौरान मंदिर व्यवस्थापक ठाकुर प्रसाद मिश्रा, पंडित विनोद मिश्रा, चन्द्र प्रकाश चौधरी, धर्मराज वर्मा, मधुसुदन अग्रहरि, संजय मिश्रा, दिलीप उर्फ छोटे पाण्डेय, लालजी शुक्ला, राजन अग्रहरि, शत्रुघ्न सोनी, चंद्रभान अग्रहरि, सुगंध अग्रहरि, हरीश पाण्डेय, अमरेंद्र त्रिपाठी, अवधेश चौधरी, गणेश विश्वकर्मा, विष्णु श्रीवास्तव, राजेश, रामचंद्र समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहें।

उ0प्र0 संयुक्त सहकारी समिति कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने डीएम समेत अन्य को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश संयुक्त सहकारी समिति कर्मचारी संघ (ट्रेड यूनियन) के बैनर तले अध्यक्ष .ष्ण मोहन सिंह की अध्यक्षता में संगठन के पदाधिकारी व सदस्यों ने जिलाधिकारी डॉ राजा गणपति आर0 समेत जिला सहकारी बैंक लिमिटेड सिद्धार्थनगर श्रम व सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक, सहकारिता सिद्धार्थनगर से मुलाकात कर उन्हें 5 बिन्दुओं का ज्ञापन सौंपा है। जिलाधिकारी को दिए गये ज्ञापन में बिन्दु संख्या 1 में लिखा कि लखीमपुर खीरी के सचिव अजय कुमार मिश्रा के सुसाइड नोट के आधार पर कार्यवाही करने पर विचार करने की आवश्यकता है। साथ ही यह भी लिखा कि सर्वसम्मति से निर्णय लिया जाता है कि संगठन के प्रांतीय नेतृत्व के दिशा–निर्देश के अनुसार लखीमपुर खीरी के पी. पैक्स सचिव अजय कुमार मिश्रा के सुसाइड नोट के अनुसार दोषियों पर तत्काल कार्यवाही किया जाय, यदि कार्यवाही नहीं होगी, तब तक हम लोग विभागीय कार्यों का बहिष्कार करेंगे। बिन्दु संख्या 2 में लिखा कि सदस्यता महाभियान पर विचार करें क्योंकि पूर्व में पूरे जनपद में सचिवों ने तनमन से लग कर के अधिक से अधिक सदस्य बनाने का कार्य किया था

लेकिन सदस्यों को कोई सुविधा नहीं दी जा रही है, वे सब अपना हिस्सा समिति में जमा करके अफसोस में है, उर्वरक वितरण में उनको कोई वरीयता नहीं मिल पा रही है, आम किसानों के साथ लाइन लगाकर उर्वरक लेना पड़ रहा है। अधिकांश लोग अपना हिस्सा वापस मांग रहे है तथा समिति सचिवों को अपशब्द कह रहे है, इस कारण कोई सचिव नया सदस्य बनाने को तैयार नहीं है अपनी–अपनी बेइज्जती के डर से सभी लोग इस सदस्यता महाभियान का बहिष्कार करते है। बिन्दु संख्या 3 के सन्दर्भ के लिखा कि धान, गेहू खरीद के कमीशन पर विचार करें समितियों को धान/गेहू खरीद पर अभी तक कमीशन मण्डी शुल्क हैन्डलिंग शुल्क नहीं प्राप्त हुआ है, उसका तत्काल भुगतान कराया जाय। बिन्दु संख्या 4 में लिखा कि पी॰ मशीन में संशोधन पर विचार करें। पी॰ मशीन में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है कि वह पता किया जा सके कि किसान कितना जगह पर अंगूठा लगाकर कितनी मात्रा में उर्वरक प्राप्त किया है। इसका फायदा उठाते हुए अधिक से अधिक किसान उर्वरक का कालाबाजारी कर रहे है और दोष सचिव पर मढ़ा जा रहा है, जिला पर से अन्य विभाग के अधिकारी फोन करके व्यवस्था खराब करते है, पी॰ मशीन में ऐसी व्यवस्था किया जाय कि अगर किसान एक बार उर्वरक प्राप्त कर लिया है, तो उसका अंगूठा एक महीना तक न लगे। ऐसी व्यवस्था होने पर कालाबाजारी से बचा जा सकता है। नहीं तो यह समस्या कभी समाप्त नहीं होगी । POS मशीन में ऐसी व्यवस्था करायी जाये तो सचिवों को जांच के नाम पर उत्पीड़ित एवं शोषित नहीं होना पड़ेगा । बिन्दु संख्या 5 में लिखा कि जो सचिव निलंबित है उनको तत्काल बहाल किया जाय, अन्यथा की दशा में जब तक हमारी मांगो का समाधान नहीं किया जाता है तब तक हम समस्त सचिव आज से सम्पूर्ण कार्य बहिष्कार करते है। इस दौरान सचिव ज्वाला सिंह, रमेश कुमार यादव, आशीष चौधरी, अजीत साहनी, अनिल मिश्रा, राम उजागिर यादव, राजेश पाण्डेय, महामंत्री राजेश प्रसाद समेत पूरे जनपद के पूरे सचिव मौजूद रहे।

ग्रामीणों ने महिला को चोर समझकर किया पिटाई, महिला को ले गई पुलिस

दैनिक बुद्ध का संदेश

जोगिया/सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र जोगिया उदयपुर के नादेपार गांव में रविवार देर रात एक विवाद हुआ। ग्रामीणों ने एक मानसिक

रूप से बीमार महिला को चोर समझ लिया। महिला गांव में भटक रही थी। उसके उलझे जवाबों से ग्रामीणों को शक हुआ। सूचना मिलते ही पीआरवी 112 की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। भीड़ नहीं मानी तो थाना इंचार्ज जोगिया उदयपुर मीरा चौहान को सूचित किया गया। थाने से अतिरिक्त पुलिस बल भेजा गया। पुलिस बल के पहुंचते ही भीड़ ने पथराव कर दिया। इस हमले में थाने की गाड़ी का शीशा टूट गया। वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। उपद्रवियों ने महिला को भी नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया। पुलिस ने स्थिति को नियन्त्रित किया। महिला को सुरक्षित थाने ले आयी। पुलिस ने इस मामले में 12 लोगों को नामजद किया है। 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया है। नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी चल रही है। अज्ञात आरोपियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। गवाहों से भी पूछताछ की जा रही है।

प्रदेश स्तर पर शिक्षक अभिषेक कुमार का विद्यालय में किये गये नवाचार का हुआ चयन

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। शिक्षक दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश स्तर पर कुल 30 चयनित नवाचारों को उद्गम पोर्टल एवं उद्गम बुकलेट के द्वारा किया लॉन्च अभी हाल ही में शिक्षक अभिषेक कुमार को 05 सितम्बर,शिक्षक दिवस पर पी.एम ई–विद्या कार्यक्रम में शैक्षिक सामग्री निर्माण, विद्यालय में किये गये नवाचारों एवं छात्रों के चौमुखी विकास आदि हेतु काव्य हिन्दी संस्थान,वाराणसी, उत्तर प्रदेश में निदेशक चन्दना रामइकबाल यादव द्वारा भी सम्मानित किया गया है। उद्गम पोर्टल एवं उद्गम बुकलेट में जनपद सिद्धार्थनगर से पूर्व माध्यमिक विद्यालय जखौली डुमरियागंज के शिक्षक अभिषेक कुमार का विद्यालय में किये गये नवाचार का चयन हुआ है। प्रदेश में शिक्षकों के नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रथम फेज में कुल 30 नवाचारों को उद्गम पोर्टल व उद्गम बुकलेट के माध्यम से विमोचन किया गया। उद्गम पोर्टल एवं उद्गम बुकलेट में प्रथम फेज में प्रदेश के कुल 30 शिक्षकों द्वारा विद्यालयों में किये गये नवाचारों को शामिल किया गया है, जिसमें पूर्व माध्यमिक विद्यालय, जखौली, डुमरियागंज, सिद्धार्थनगर के शिक्षक अभिषेक कुमार के अभिनव प्रयोग क्यू. आर. कोड कराये पौधों एवं फूलों की पहचान को भी चयनित कर शामिल किया गया है। राज्य शैक्षिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद,उत्तर प्रदेश,लखनऊ एवं न्क आदि द्वारा विकसित उद्गम पोर्टल एवं उद्गम बुकलेट का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 05 सितम्बर,शिक्षक दिवस के अवसर पर लखनऊ में उद्घाटन किया गया। अब 30 चयनित नवाचारों में शिक्षक अभिषेक कुमार द्वारा किए गए अभिनव प्रयोग और उसके प्रतिफल की गाथा भी देश और प्रदेश के सभी शिक्षकों एवं शैक्षिक संस्थानों आदि के लिए ऑनलाइन उद्गम पोर्टल के माध्यम से एवं उद्गम बुकलेट के माध्यम से उपलब्ध है। शिक्षक अभिषेक कुमार के प्रयास से विद्यालय के छात्र–छात्राएं विज्ञान से संबंधित सम्बन्धित विभिन्न प्रतियोगिताओं में राज्य,राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी प्रतिभाग कर चुके हैं एवं विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे सी.डी.आर. आई(CDRI), लखनऊ, आई.आई. टी(I.I.T), कानपुर एवं गुवाहाटी आदि स्थानों में शैक्षिक भ्रमण भी कर चुके हैं। जिससे छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का भी विकास हो रहा है एवं परिणाम स्वरुप विद्यालय का नामांकन में भी वृद्धि हो रही है। शिक्षक अभिषेक कुमार की इस अभूतपूर्व उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी डॉ राजा गणपति.आर, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह, उप–शिक्षा निदेशक एवं डायट प्राचार्य उमेश त्रिपाठी, जिला विद्यालय निरीक्षक अरुण कुमार,जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार,खण्ड शिक्षा अधिकारी,डुमरियागंज अशोक सिंह, खण्ड शिक्षा अधिकारी, शोहरतगढ़ संजय कुमार,डायट प्रवक्ता सत्यम कुमार, धर्मेंद्र कुमार, वरुण,डॉ मंजुला यादव डॉ प्रतिमा सिंह, अनुराग श्रीवास्तव, फुरकान,जिला समन्वयक आशीष मिश्रा, अमित मिश्रा,संदीप कुमार,रितेश श्रीवास्तव,सुरेंद्र श्रीवास्तव ,विधालय परिवार के बृज भूषण दूबे,धर्मराज दूबे,अभय श्रीवास्तव,संतोष श्रीवास्तव, नसीम अहमद, पवन श्रीवास्तव, राम दयाल,अंशुमान सिंह, रुचि श्रीवास्तव, वंदना त्रिपाठी,ऐश्वर्या लता,गांव प्रधान साबिरा खातून,गांव वासी हरि प्रसाद श्रीवास्तव,श्रेया पांडे,सरवर,चन्द्र भूषण पाण्डे आदि ने बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी है।

पंचायतों की समस्याओं को लेकर डीएम से मिला प्रधान संघ, सौंपा ज्ञापन

प्रधान संघ के जिलाध्यक्ष डा पवन मिश्रा के नेतृत्व में ब्लॉक अध्यक्षों ने की मुलाकात

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। जनपद के समस्त ग्राम पंचायतो में मनरेगा योजना अंतर्गत एमडीएम किचन सेड, आंगनबाड़ी केंद्र, ओपन जिम खेल मैदान, मनरेगा पार्क ,मिनी स्टेडियम आदि का भुगतान प्राथमिकता पर बिना रेसियो के करने सहित अन्य बिंदुओं को लेकर प्रधान संघ के जिलाध्यक्ष डा पवन मिश्रा के नेतृत्व में ब्लॉक अध्यक्षों का समूह डीएम डा0 राजा गणपति आर से सोमवार को मुलाकात किया। इस दौरान आठ बिन्दुओं की समस्याओं से संबंधित ज्ञापन डीएम को सौंपते हुए निराकरण कराए जाने की मांग की है। राष्ट्रीय पंचायती राज ग्राम प्रधान संगठन के जिलाध्यक्ष डा0 पवन मिश्रा के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में दर्शाया गया है कि सिद्धार्थनगर के अन्तर्गत लक्ष्य के अनुसार एमडीएम किचन सेड,अन्नपूर्णा भवन का निर्माण हो चुका है ऐसी स्थिति में जब तक निर्मित हो चुके एमडीएम किचन सेड, अन्नपूर्णा का भुगतान नही हो जाता है तब तक नये अन्नपूर्णा भवन, किचन सेड के निर्माण हेतु दबाव न बनाया जाए। वित्तिय वर्ष 2023–24,25, 26 में कराये गये मनरेगा के पक्के कार्यों के भुगतान हेतु धनराशि उपलब्ध कराए। समस्त ग्राम पंचायतों की समस्याओं के निस्तारण हेतु प्रत्येक माह मुख्य विकास अधिकारी ,जिला पंचायत राज अधिकारी ,उपायुक्त – श्रम रोजगार ,जिला विकास अधिकारी के साथ प्रधान संगठन की बैठक सुनिश्चित कराया जाए। जिन ग्राम पंचायत के अन्तर्गत पानी की टंकी के निर्माण हेतु जल जीवन मिशन द्वारा गांव की सड़कों को तोड़ा गया है उसका मरम्मत कराया जाए, केन्द्रीय वित्त का पैसा ग्राम पंचायतों में दिसम्बर – 2024 में आया था। लगभग 9 महिना बीतने के बावजूद पैसा नही आया है। उसकी धनराशि जारी करने हेतु जिला प्रशासन द्वारा पत्राचार किया जाए। शासन के निर्देश पर विशेष ग्राम सभा आयोजन 2 अक्टूबर 2024को कराया गया था जो एक लाख रूपये प्रति ग्राम पंचायत को प्राप्त होना था पाँचो ग्राम पंचायतो धनराशि को शीघ्र भुगतान कराया जाए। जनपद स्तर पर आयोजित प्रतिमाह किसान गोष्ठी में निर्वाचित ग्राम प्रधान को भी आमंत्रित किया जाए ग्राम प्रधान गांव में रहने वाला किसान होता है ऐसी स्थिति में ग्राम प्रधानों को प्राथमिकता दिया जाए। आदि मांगो से संबंधित ज्ञापन सौंपते जिलाधिकारी से शीघ्र निराकरण कराए जाने की मांग की है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि अगर हमारे मांगों को पूरा नहीं किया गया तो संगठन के बैनर तले जनपद मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। जिसकी सारी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। इस दौरान जिला संगठन मंत्री नीरज सिंह, सुनील सिंह, व्यास जी पाण्डेय, दिलीप पाण्डेय, लालजी शुक्ला,ताकीब रिजवी, राघवेन्द्र मिश्र,जफर आलम,विनय पाण्डेय, प्रदीप कुमार, प्रभु दयाल यादव आदि मौजूद रहे।

शोहरतगढ़ ब्लाक के ग्राम पंचायत मड़वा से नहरी तथा गजहड़ा–सेंगवारे सम्पर्क मार्ग का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश
शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी ने विकास खण्ड शोहरतगढ़ में बन रहे ग्राम पंचायत मड़वा से नहरी तथा गजहड़ा–सेंगवारे सम्पर्क मार्ग का जिलाधिकारी डॉ0 राजा गणपति आर0 ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्य को निर्धारित समय पर पूर्ण कराने का निर्देश सम्बन्धित को दिया। शोहरतगढ़ क्षेत्र में उक्त सम्पर्क मार्गों का निर्माण लोक निर्माण विभाग द्वारा कराया जा रहा है। जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 ने नहरी सम्पर्क मार्ग, गजहड़ा गांव से सेंगवारे गांव के सम्पर्क मार्ग का भी निरीक्षण किया। उन्होंने स्टीमेट एवं एमबी देखा, सड़क की लम्बाई 800 मीटर है। जिलाधिकारी ने सड़क को खुदवाकर देखा, जो सही पाया गया। उन्होंने कहा कि दोनों सड़कों को समय से एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाये। निर्माण में कोताही बर्दाश्त नहीं किया किया जायेगा, अन्यथा कार्रवाई की जायेगी।

55 बोटा आम की लकड़ी समेत दो व्यक्ति हुए गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश
बढ़नी/सिद्धार्थनगर। एसएसबी 50वीं वाहिनी महादेव बुजुर्ग

के जवानों द्वारा रविवार को 2 ट्राली पर लदा 55 बोटा आम की लकड़ी समेत दो लोगो को गिरफ्तार कर लिया गया। अग्रिम कार्यवाही हेतु वन विभाग के सुपुर्द कर दिया गया एसएसबी 50वीं वाहिनी महादेव बुजुर्ग सहायक सेनानायक अजय कुमार ने बताया की सूचना के आधार पर जवानों द्वारा बताये गए स्थान पर पहुंच गये और देखा की सेमरा से बढ़नी की तरफ ट्रैक्टर ट्राली आते दिखाई दिया। जवानों द्वारा दोनों ट्रैक्टर ट्राली को रोककर पूछताछ की गई और दो ट्राली पर लदा 55 बोटा आम की लकड़ी सम्बन्धित कागजात मांगा गया, लेकिन कोई कागजात नही दिखा पाये। जवानों द्वारा दोनों ट्रैक्टर ट्राली पर लदा आम के बोटा समेत दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम 31 वर्षीय रामपाल चौरसिया पुत्र राम प्यारे चौरसिया ग्राम मानपुर थाना ढेबरुआ जनपद सिद्धार्थनगर, 33 वर्षीय रिजवान पुत्र वली मोहम्मद ग्राम जिवाभारी थाना ढेबरुआ जनपद सिद्धार्थनगर है। पूछताछ में बताया की हम वाहन चालक है, यह लकड़ी स्माइल नाम के व्यक्ति का है। सेमरा गांव से काटा गया और बढ़नी आरा मशीन पर ले जा रहे थे। अग्रिम कार्यवाही हेतु जब्त दो ट्रैक्टर ट्राली पर लदा 55 आम का बोटा समेत वाहन चालक को वन विभाग ढ़ेबरुआ को सुपुर्द कर दिया गया।

अब मौसम की बाधा नहीं, दिन–रात प्रैक्टिस करेंगे बैडमिंटन खिलाड़ी

दैनिक बुद्ध का संदेश
शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। बैडमिंटन खेलने की चाहत रखने वाले खिलाड़ियों को अब खराब मौसम में भी अपनी प्रैक्टिस नहीं रोकनी पड़ेगी। नगर पंचायत के नीबी दोहनी के वार्ड नम्बर–13 में इंडोर बैडमिंटन कोर्ट के जरिये उन्हें साल भर प्रैक्टिस करने का मौका मिलेगा। इसका निर्माण प्रगति पर है। इसके निर्माण पर 70 लाख रुपये खर्च किये जायेंगे। नगर पंचायत में इंडोर बैडमिंटन कोर्ट बनने से खिलाड़ियों को क्षेत्र में ही प्रैक्टिस करने का मौका मिलेगा। उन्हें बारिश हो या फिर कड़ाके की ठण्ड, मौसम उनके अभ्यास में विलन नहीं बनेगा। बेहतर और सुरक्षित खेल सतह होने के साथ ही उन्हें दिन ही नहीं रात में भी अपनी प्रतिभा निखारने का मौका मिलेगा। इसके लिए फाउण्डेशन तैयार किया जा रहा है। कार्य प्रगति पर है। काम पूरा होने के बाद बैडमिंटन खिलाड़ी यहां खेल कर अपनी प्रतिभा निखार सकते हैं। अब उनको जिला मुख्यालय 40 किलोमीटर दूर प्रैक्टिस करने नहीं जाना पड़ेगा। चेयरमैन उमा अग्रवाल ने कहा कि इंडोर बैडमिंटन कोर्ट जिला मुख्यालय बना है। शोहरतगढ़ कस्बा सहित क्षेत्र के बैडमिंटन खिलाड़ियों को प्रैक्टिस करने के लिए जिला मुख्यालय जाना पड़ता था। कुछ खिलाड़ी दूर की वजह जा नहीं पाते हैं, जिससे उनकी प्रतिभा दब जाती थी। इसको ध्यान में रखने लिए 15वें वित्त से लगभग 70 लाख रुपये की लागत से नगर पंचायत के नीबी दोहनी के वार्ड नम्बर–13 में इंडोर बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण चल रहा है। यह लगभग ढाई महीने में बनकर तैयार हो जायेगा। उसके बाद खिलाड़ियों को सुविधा मिलने लगेगी। उनको जिला मुख्यालय नहीं जाना पड़ेगा। वहीं सोनू महतो ने कहा कि बैडमिंटन प्रैक्टिस करने के लिए जिला मुख्यालय जाना पड़ता है। नगर पंचायत में इंडोर बैडमिंटन कोर्ट बन जाने से सुविधा मिलेगी। जिला मुख्यालय नहीं जाना पड़ेगा। बैडमिंटन खिलाड़ी संजय कौशल ने बताया कि नगर पंचायत में इंडोर बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण चल रहा है। इसकी सुविधा नगर में मिलने से बैडमिंटन प्रैक्टिस में आसानी होगी। खिलाड़ियों की प्रतिभा निखरेगी।

कत्ल के आरोपी फोटू के खिलाफ दर्ज हुआ मुकदमा

दैनिक बुद्ध का संदेश
शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। ईद–ए–मिलादुन्नबी की रात 9 बजे शोहरतगढ़ थानाक्षेत्र ग्राम पंचायत परिवार के टोला नकथर के बगल स्थित बंजारा डीह से ग्राम पंचायत कोड़रा ग्रान्ट टोला इस्लाम नगर निवासी 25 वर्षीय सोनू उर्फ जहीर पुत्र इदरीश की चाकू से गोदकर निर्मम हत्या कर दी गई थी। हत्या करने के बाद आरोपित परिवार के साथ घर छोड़कर फरार हो गया है। पुलिस ने गिरफ्तारी के लिए पड़ोसी जिले में कई जगह दबिश दी, किन्तु उसका कहीं पता नहीं चल सका। बेटे की हत्या सुन इदरीश दहाड़ मारकर रोने लगा। वह रविवार को मुम्बई से घर पहुंचा था और शोहरतगढ़ पुलिस को बेटे की चाकू से गोदकर हत्या करने वाले शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र ग्राम पंचायत खुनगवार के टोला नकथर के बगल स्थित बंजारा डीह निवासी फोटू पुत्र कसाब के खिलाफ लिखित तहरीर दी। नवागत शोहरतगढ़ थाना प्रभारी सन्तोष कुमार तिवारी ने कहा कि तहरीर के आधार पर फोटू पुत्र कसाब के खिलाफ चाकू से गोदकर हत्या करने का मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्यवाई में जुट गई है। शोहरतगढ़ क्षेत्र में इस बात की चर्चा है कि हत्या आरोपित फोटू को शोहरतगढ़ पुलिस ने शनिवार की रात ही गिरफ्तार कर लिया है और उसे हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। हत्या से एक सप्ताह पूर्व मृतक की पत्नी ने एक बच्चे को जन्म दिया है। वह चार दिन पहले अपने बहन के घर नकथर आया था, मगर उसका भोजन व सोना फोटू के घर होता था। इतनी गहरी दोस्ती होने के बावजूद किन परिस्थितियों में फोटू ने सोनू की हत्या की इसका राज फोटू के अन्दर दफन है। मृतक की बाइक उसके घर के बगल बरामदे में खड़ी है। दो जगह खून गिरने से यह आशंका जताई जा रही है कि मृतक अपने बचाव में हर सम्भव प्रयास किया होगा। पुलिस क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ प्रवीन प्रकाश ने कहा कि जल्द ही इसका पर्दाफाश कर दिया जायेगा।

बस्ती विकास प्राधिकरण

सार्वजनिक सूचना

श्री प्रेम प्रकाश दूबे पुत्र भुवनेश्वर दूबे, श्रीमती मीना दूबे पत्नी भुवनेश्वर दूबे गाटा सं0–70 ग्राम हरदिया बुजुर्ग परगना–बस्तीपूरब तहसील व जनपद–बस्ती द्वारा उक्त गाटे में नर्सिंगहोम के निर्माण के सम्बन्ध में मानचित्र संख्या–29/2025–26 दिनांक–01.09.2025 को स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया गया है। पत्र द्वारा उक्त भूखण्ड में नर्सिंगहोम के उपयोग हेतु निर्माण किया जाना प्रस्तावित है।

उक्त स्थल का भू–उपयोग बस्ती महायोजना–2031 (भाग–क) के अन्तर्गत 36 मी0 चौड़ी महायोजना मार्ग बाजार स्ट्रीट के अन्तर्गत आता है। (पताका–क) बस्ती महायोजना–2031 (भाग–क) में संलग्न भू–उपयोग जोन्स 15.3.2 में विभिन्न क्रियाओं की अनुमन्यता से सम्बन्धित जोन मैट्रिक्स में 5.7 अस्पताल/ट्रामा सेन्टर (व्यवसायिक) बाजार स्ट्रीट भू–उपयोग के अन्तर्गत सामान्यतः अनुमन्य है। (पताका–ख) बस्ती महायोजना–2031 (भाग–क) के अध्याय 11 (जोनिंग नियम) के प्रस्तर 11.8.1 प्रमुख भू–उपयोग जोन के अन्तर्गत पूर्व विकसित योजनाओं/क्षेत्रों में मूल उपयोग से इतर क्रिया / उपयोग (भले ही जोनिंग रेगुलेशन्स के अनुसार ऐसी क्रिया/उपयोग सामान्यतः अनुमन्य/सशर्त अनुमन्य/विशेष अनुमति से अनुमन्य हो) अनुमन्य किये जाने हेतु न्यूनतम एक माह की समयावधि प्रदान करते हुए जनता से आपत्ति/सुझाव उचित माध्यमों से आमंत्रित किये जायेंगे एवं इन आपत्तियों/सुझावों के निस्तारण के उपरांत ही स्वीकृति/अस्वीकृति की कार्यवाही की जाएगी।

यदि उक्त भूमि पर नर्सिंगहोम/हास्पिटल निर्माण हेतु मानचित्र स्वीकृत किए जाने में किसी को कोई आपत्ति हो तो, एक माह के अंदर साक्ष्यों सहित अपनी आपत्ति अधोहस्ताक्षरी के समक्ष अथवा बस्ती विकास प्राधिकरण, बस्ती के कार्यालय में दर्ज करा सकता है, एक माह की अवधि के उपरांत किसी भी व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा एवं नियमानुसार मानचित्र स्वीकृति के संबंध में कार्यवाही कर दी जाएगी।

सचिव
बस्ती विकास प्राधिकरण
जनपद– बस्ती

संख्या– 1231/ब0वि0प्रा0बस्ती/2025–26 | दिनांक– 08/09/2025

जल्द शुरू होगा स्टेडियम का कायाकल्प खिलाड़ियों को मिलेगी सहूलियत

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए संचालित जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम जल्द ही कायाकल्प होगा। इससे खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण के साथ कई प्रमुख सुविधा भी मिलने लगेंगी। नई व्यवस्था से खिलाड़ी को नेशनल व इन्टरनेशनल खेल का भी अनुभव प्राप्त होगा। इसके लिए 16.54 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे।स्टेडियम सिंथेटिक ट्रैक के निर्माण की स्वीकृति मिली है। इसके साथ ही प्रशासनिक भवन, बैडमिंटन हॉल और बास्केटबॉल कोर्ट की मरम्मत भी होगी। इसके लिए 16.54 करोड़ की शासन स्तर पर स्वीकृति की लगभग तैयारी पूरी कर ली गई है। इसके लिए लखनऊ में 25 अगस्त को प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में बैठक भी हो चुकी है। अब तक जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम में सुविधाओं के न होने से खिलाड़ियों को परेशानी होती थी। स्टेडियम में जिन कामों की स्वीकृति मिली है, उसमें प्रमुख रूप से सिंथेटिक ट्रैक शामिल है। इसके न होने से एथलेटिक्स के खिलाड़ी अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन नहीं कर पा रहे थे। इसके निर्माण से आने वाले समय में जिले के खिलाड़ियों को राज्य और राष्ट्र स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने में काफी सहूलियत होगी। वहीं बड़े और छोटे तरणताल के अन्दर व डेक के टाइल्स, फिल्टर प्लान्ट, चेंज रूम आदि की मरम्मत, खेल मैदान में पानी लगाने के लिए आधुनिक उपकरणों और सिंचाई व्यवस्था का कार्य, बैडमिंटन हॉल की की लकड़ी, खिड़कियों, दीवारों, मुख्य द्वार और प्रसाधन कक्ष की मरम्मत कार्य, प्रशासनिक भवन की मरम्मत और रंगाई–पुताई, बास्केटबॉल कोर्ट की मरम्मत का कार्य समेत महिला व पुरुष प्रसाधन की सुविधा का निर्माण कार्य शामिल है। वहीं क्रीड़ा अधिकारी आशुतोष अग्निहोत्री ने बताया कि जिले में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ ही खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभाओं को निखारने की दिशा में तैयारियों की स्टेडियम एक बेहतर प्लेटफॉर्म मिलेगा। निर्माण कार्यों की स्वीकृति मिल चुकी है।

सम्पादकीय

उल्लेखनीय है कि वर्तमान में, सुनवाई से अलग होने के मामले केवल न्यायिक मूल्यों के पुनर्कथन और न्यायिक आचरण के बैंगलौर सि)ांतों जैसी नरम–कानून संहिताओं द्वारा निर्देशित होते हैं। वास्तव में वे कारणों का खुलासा करने का कोई बाध्यकारी दायित्व तय नहीं करते। इसका परिमाण ही ...

सुनवाई से अलग होना

हाल के दिनों में देश की विभिन्न अदालतों में न्यायिक सुनवाई से अलग होने की घटनाओं में लगातार वृद्धि असहज करने वाली ही है। हालांकि निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिये सुनवाई से अलग होना एक स्थापित सुरक्षा उपाय है, लेकिन जिस तरह इसका इस्तेमाल और संप्रेषण किया जाता है, उसने कई चिंताजनक प्रश्न तो खड़े किए ही जा सकते हैं। देश के राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण यानी एनसीएलएटी के एक प्रकरण, जहां एक सदस्य ने खुलासा किया कि वह एक मामले से खुद को अलग कर रहा है क्योंकि एक उच्च न्यायिक व्यक्ति ने उसे एक पक्ष का पक्ष लेने के लिये संपर्क किया था, ने इस प्रक्रिया में विश्वास को ठेस पहुंचायी है। हाल ही में शीर्ष अदालत के न्यायाधीश एमएम सुंदरेश ने बिना कोई कारण बताए दलित–अधिकार वकील सुरेंद्र गाडलिंग की जमानत याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया था। इससे पहले भी, कर्नाटक उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश वी कामेश्वर राव ने संस्था से संबंधों का हवाला देते हुए एनएलएसआईयू ट्रांसजेंडर आरक्षण अपील से खुद को अलग कर लिया था। यहां तक कि मुख्य न्यायाधीशों– संजीव खन्ना ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति मामले में और बी.आर.गवई ने एक आंतरिक न्यायिक जांच मामले में खुद को अलग कर लिया था। निस्संदेह, इस तरह की असंगतता पारदर्शिता के बारे में मिले–जुले संकेत देती है। जो जनमानस में इस बाबत नये विमर्श को जन्म देता है। इसमें दो राय नहीं कि इस संबंध में कानून में स्पष्टता की दरकार है। सुनवाई से अलग होने के लिये कोई संहिताबद्ध ढांचा नहीं है। यहां उल्लेखनीय है कि मई 2025 में, सर्वोच्च न्यायालय ने एक समान नियम बनाने की याचिका को यह कह कर खारिज कर दिया था कि सुनवाई से अलग होना व्यक्तिगत विवेक का मामला है। ऐसे मामलों में न्यायिक स्वतंत्रता ऐसी स्वायत्तता की मांग करती है, यही अस्पष्टता जनता के विश्वास को कमजोर करती है। निस्संदेह, जनसाधारण की न्यायिक व्यवस्था में आस्था मजबूत करने के लिये न्याय न केवल किया जाना चाहिए, बल्कि होते हुए भी दिखना चाहिए। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में सुनवाई से अलग होने के मामले केवल न्यायिक मूल्यों के पुनर्कथन और न्यायिक आचरण के बैंगलौर सिद्धांतों जैसी नरम–कानून संहिताओं द्वारा निर्देशित होते हैं। वास्तव में वे कारणों का खुलासा करने का कोई बाध्यकारी दायित्व तय नहीं करते। इसका परिणाम ही असमान व्यवहार है। इस बाबत कुछ न्यायाधीश तो स्पष्टीकरण देते हैं, जबकि कई अन्य ऐसे मामलों में खामोशी धारण कर लेते हैं। निस्संदेह, ऐसी परंपराओं से जन साधारण में अटकलों और न्यायिक प्रक्रिया में देरी को बढ़ावा ही मिलता है। इस दिशा में एक मध्य मार्ग भी संभव है। न्यायालय न्यूनतम प्रकटीकरण मानक अपना सकते हैं। आदेश पत्र पर एक पंक्ति की 'कारण श्रेणी' और एक केंद्रीय सुनवाई रजिस्टर की व्यवस्था की जा सकती है। इस प्रकार से कुछ हल्के–फुल्के सुधार न्यायिक स्वतंत्रता की रक्षा ही करेंगे। सही मायनों में खामोशी, खासकर संवेदनशील मामलों में, अब तटस्थ नहीं रही।

पितृपक्ष में पितरों का स्मरण आवश्यक है

की 15 दिनों की अवधि में पूर्वजों के लिए भोजन और अर्पण द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। इस अवधि को पितरों को प्रसन्न करने और उनकी कृपा प्राप्ति के लिए बहुत ही उत्तम माना जाता है।

पितृपक्ष में कोई भी शुभ कार्य जैसे विवाह, सगाई, मुंडन और गृह प्रवेश करने की भी मनाही होती है। पितृपक्ष के दौरान मंदिर न जाने का कोई धार्मिक नियम नहीं है, बल्कि ऐसी कई मान्यताएं हैं जिनके अनुसार आप मंदिर जा सकते हैं और अपने आराध्य के दर्शन कर सकते हैं। इस दौरान आपको शुभ और मांगलिक कार्य जैसे विवाह, हवन या यज्ञ नहीं करने चाहिए, पर दैनिक पूजा–पाठ जारी रखनी चाहिए। पितृ पक्ष में पत्नी समागम एकदम मना है। यही नहीं पैदा होने वाली संतान विकृत हो सकती है, इन्हीं वजह से पितृ पक्ष में संभोग नहीं करें। पितृ पक्ष में घर के किसी वरिष्ठ पुरुष सदस्य को तर्पण करना चाहिए। अगर घर में वरिष्ठ पुरुष सदस्य ना हो तो घर का कोई भी पुरुष सदस्य तर्पण कर सकता है। पौत्र या नाती भी तर्पण और श्राद्ध कर सकते हैं। वर्तमान में स्त्रियां भी तर्पण और श्राद्ध कर सकती हैं लेकिन पितृपक्ष की सावधानियों का ख्याल रखते हुए ही तर्पण करें। पितरों के मुख्य देवता अर्यमा (या अर्यमन) हैं, जो पितृलोक के राजा और न्यायाधीश माने जाते हैं और पितरों का लेखा–जोखा रखते हैं। इसके अतिरिक्त, यमराज पितरों के देव हैं जो कर्मों के अनुसार फल देते हैं और उन्हें पितृलोक से पृथ्वी पर अपने वंशजों से तर्पण ग्रहण करने की अनुमति देते हैं। कुछ पुराणों में भगवान विष्णु को भी पितरों का स्वामी बताया गया है।

लेखक विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का संदेश

देशों की सीमाओं से अलग राह बनाकर बहता पानी

लेकिन जब सिंधु जल संधि को ध्यान से पढ़ें तो यह संधि केवल मानसून के दौरान ही गाद निकालने पर रोक लगाती हैय भारत शेष अन्य समय में कभी भी गाद निकालने के लिए स्वतंत्र है। इसके अलावा, सिंधु जल संधि पूर्वी नदियों (सतलुज, रावी और ब्यास) पर बने बांधों की गाद निकालने के बारे में खामोश है, और जैसा कि मेरे सहयोगी ललित मोहन ने रोपड़ से द ट्रिब्यून के समाचार पृष्ठ पर बताया है, दशकों से गाद जमा होने ...

दशकों सिंधु जल संधि कायम रही, क्योंकि इसमें पंजाब की नदियों का जल बरतने के नियम थे। पहलगाम नरसंहार के बाद भारत ने संधि स्थगित कर चिनाब से पाकिस्तान को पानी बंद कर दिया। अब ज्यादा बारिश से बांधों का जलस्तर इतना बढ़ा कि नदियों में पानी छोड़ा गया। पंजाब बाढ़ग्रस्त हो गया व सीमा पार क्षेत्र भी। एक कवि के शब्द हैं रु पानी, हर तरफ पानी। सुल्तानपुर लोधी के मंड इलाके की हालत देखते ही यह पंक्ति आपके दिमाग में वाकई गूंजने लगती है, जहां ब्यास नदी ने अपने किनारों को तोड़कर धान की फसल को पानी में डुबो दिया है। यह कहानी दो फसल चक्र वाली खेती के आधे हिस्से के नुकसान और तबाही की है। पिछले कुछ हफ्तों में पंजाब की नदियों का जलस्तर बढ़ते देखना इतिहास और भूगोल दोनों के लिए एक सबक रहा है। हम जानते हैं कि पंजाब शब्द फारसी के शब्दों, पंज और आब के संगम से बना है, जिसका अर्थ है 'पांच पानियों की भूमि'। इसका श्रेय टैंजियर्स से आए यात्री इब्न बतूता को दिया जाता है, जिनके बारे में माना जाता है कि उन्होंने 14वीं शताब्दी में इस क्षेत्र का भ्रमण किया था। लेकिन विडंबना है कि बतूता से पहले, पंजाब को पंचनद के नाम से जाना जाता था, जो संस्कृत का एक शब्द है। जिसका अर्थ है पांच नदियों की भूमि – यह शब्द महाभारत के समय से चला आ रहा है और आज भी पाकिस्तान में उस नदी का नाम है जिसमें अविभाजित पंजाब की सभी पांचों नदियां – झेलम, चिनाब, सतलुज, व्यास और रावी–अरब

सागर में समाने से पहले मिलकर एक विशाल नदी का रूप धर लेती हैं। गौर कीजिए कि प्रकृति को किस कदर मानव–निर्मित क्षुद्र विभाजनों से घृणा है चाहे वह 1947 के दौरान या उसके बाद हाल ही में अप्रैल 2025 में जब पहलगाम नरसंहार की भयावहता के बाद, गुस्साए भारत ने 1960 में हुई सिंधु जल संधि ा को स्थगित कर दिया। दो युद्धों और एक सीमित संघर्ष के बावजूद, यह संधि कायम रही, क्योंकि इसमें पंजाब की नदियों का जल बरतने संबंधी नियम थे। ऑपरेशन सिंदूर की पूर्व संध्या पर, भारत ने जम्मू में चिनाब नदी पर बने बगलिहार बांध के निकास द्वार बंद कर दिए और घोषणा की कि पहलगाम के प्रतिशोध में पाकिस्तान को पानी की एक बूंद तक नहीं देंगे। कई दशकों में पहली बार, जम्मू में चिनाब की तलहटी सूखी दिखी। पाकिस्तानी अधिकारियों ने अपनी फसलों और आबादी के लिए सबसे बुरे डर को लेकर घबराहट भरी प्रतिक्रिया व्यक्त की। तीन माह बाद, भू–राजनीति का स्वरूप बदलने की बारी भूगोल की आई। जब हिमाचल प्रदेश और पंजाब में दशकों में सबसे ज्यादा बारिश के साथ, भाखड़ा, रणजीत सागर और पौंग बांधों के जलाशयों का जलस्तर ऐन ऊपरी किनारे तक जा पहुंचा, जिससे अधिकारियों को बांधों को सुरक्षित रखने के लिए पंजाब की तीन पूर्वी नदियों में पानी छोड़ना पड़ा। लेकिन अब सीमा के दोनों ओर सवाल उठ रहे हैं– मसलन, क्या अधिकारियों को इन उत्तर भारतीय बांधों से पानी छोड़ना नहीं चाहिए था, जिससे सीमा के दोनों ओर बाढ़ आ गई? अजनाला, कपूरथला, सुल्तानपुर लोधी, फिरोजपुर, करतारपुर साहिब। पंजाब के जिन कस्बों की सूची जो इन दिनों तैरती हुई लगती है, उस पर 'भीगता पंजाब' जैसे मीम्स बन रहे हैं। फिरोजपुर इलाके में बाढ़ इतनी भारी है कि इसने रेडक्लिफ रेखा पर बने निशानदेही चिह्न मिटा दिये हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा बाढ़ के कुछ हिस्से जलमग्न हैं। मानो भूगोल इतिहास से अपना बदला ले रहा हो। इस बीच, गुस्से की जगह सामान्य समझदारी ने ली है। भारत ने भले ही सिंधु जल संधि को निलंबित कर रखा है, लेकिन वह इस्लामाबाद स्थित अपने उच्चायोग के जरिये पाकिस्तान को छोड़े गए पानी के आंकड़े मुहैया करवा रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि भारत एक ऊपरी रिपेरियन देश होने के नाते अपनी जिम्मेदारी समझता है। जो भी है, जम्मू–कश्मीर में चिनाब और झेलम में इतना पानी बहता है, खासकर मानसून में, सालाना 136.2 मिलियन एकड़ फीट तक, जिससे कि रन–ऑफ–द–रिवर बगलिहार और किशनगंगा बांधों के पास और कोई विकल्प नहीं है सिवाय पानी को पाकिस्तान में बहने देने के। यही कारण है कि सिंधु नदी संधि ा को निलंबित या स्थगित रखने का जमीनी स्तर पर कोई खास मतलब नहीं – पानी, अपनी प्रकृति अनुसार पहाड़ों से समुद्र की ओर बहेगा। हिमालय से अरब सागर की ओर। पानी के लिए नक्शे, संधियां और समझौते मायने नहीं रखते। वह अपना रास्ता निकाल ही लेता है। हालांकि, बांध जल संचयन अधिकारों और जिम्मेदारियों को लेकर बने सवालों ने युद्ध को क्षुद्र परिदृश्य में शामिल कर लिया है। उधमपुर के सांसद और प्रभावशाली कनिष्ठ केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने भारत द्वारा पश्चिमी नदियों (चिनाब, झेलम) पर अपने बांधों से गाद न निकाल पाने के पीछे सिंधु जल संधि को दोषी ठहराया है।

उस समय हर आंख नम थी। अपने शानदार जीवन की तरह, मृत्यु में भी, उन्होंने लोगों को एकजुट किया। इसलिए यह उचित ही था कि उनका अंतिम संस्कार ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे जालुकबाड़ी पहाड़ी पर किया गया, वही नदी जो उनके संगीत, रूपकों और स्मृतियों की जीवन रेखा रही थी। खुशी की बात यह है कि असम सरकार ने भूपेन हजारिका कल्चरल ट्रस्ट ...

शक्ति व आशा जगाता एक सच्चाई का संगीत

भारतीय संस्कृति और संगीत के प्रति जुनून रखने वाले सभी लोगों के लिए आज, 8 सितंबर का दिन बेहद खास है। असम के मेरे भाइयों और बहनों के लिए यह दिन और भी खास है। आखिरकार, भारत की अब तक की सबसे अद्भुत आवाजों में शुमार रहे डॉ. भूपेन हजारिका की आज जयंती है। इस वर्ष उनके जन्म शताब्दी समारोह की शुरुआत हो रही है। यह भारतीय कलात्मक अभिव्यक्ति और जनचेतना में उनके अमूल्य योगदान को याद करने का अवसर है। भूपेन दा ने हमें जो दिया, वह संगीत से कहीं बढ़कर है। उनकी रचनाओं में भावनाएं समाहित थीं, जो राग से परे थीं। वह महज एक आवाज से बढ़कर, लोगों के दिलों की धड़कन थे। कई पीढ़ियां उनके गीतों को सुनकर बड़ी हुई हैं, जिनके हर शब्द में दया, सामाजिक न्याय, एकता और गहराई से जुड़े अपनत्व के भाव गुंजायमान होते हैं। असम से एक ऐसी आवाज उभरी, जो अपने साथ मानवता की भावना लेकर एक कालातीत नदी की तरह बहते हुए, सीमाओं और संस्कृतियों को पार करती गई। भूपेन दा ने दुनिया भर की यात्रा की, समाज के सभी वर्गों के दिग्गजों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया, लेकिन वे असम में अपनी जड़ों से गहराई से जुड़े रहे। उनके बचपन को असम की समृद्ध मौखिक परंपराओं, लोक धुनों और कहानी सुनाने की सामुदायिक प्रथाओं ने गहराई से आकार दिया। इन अनुभवों ने उनकी कलात्मक शब्दावली की बुनियाद रखी। वे असम की मौलिक पहचान और उसके लोगों के लोकाचार की भावना को हमेशा साथ लेकर चले। भूपेन दा की प्रतिभा बहुत कम आयु में ही सामने आ गई थी। मात्र पांच साल की आयु में, उन्होंने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में गायन किया और तत्काल असमिया साहित्य की अग्रणी हस्ती लक्ष्मीनाथ बेजबरुआ का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया। किशोरावस्था में ही उन्होंने अपना पहला गीत रिकॉर्ड कर लिया था, लेकिन संगीत उनके व्यक्तित्व का केवल एक हिस्सा था। भूपेन दा

हृदय से उतने ही बुद्धिजीवी... जिज्ञासु स्पष्टवक्ता और दुनिया को समझने की अदम्य इच्छा से प्रेरित थे। ज्योति प्रसाद अग्रवाल और बिष्णु प्रसाद राभा जैसी सांस्कृतिक विभूतियों ने उनके मन पर गहरी छाप छोड़ी और उनकी जिज्ञासु प्रवृत्ति को भी गहन बनाया। सीखने की यही इच्छा थी जिसने उन्हें बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के कॉटन कॉलेज में उत्कृष्ट बनाया और उन्हें अमेरिका ले गई, जहां वह उस समय के प्रमुख शिक्षाविदों, विचारकों और संगीतकारों के संपर्क में आए। उनकी मुलाकात महान कलाकार और सिविल राइट्स लीडर पॉल रॉबसन से हुई। रोबसन का गीत 'ओल मैन रिवर' भूपेन दा की प्रतिष्ठित रचना 'बिस्तिर्नो पारोरे' के लिए प्रेरणा बन गया। अमेरिका की बेहद सम्मानित पूर्व प्रथम महिला एलेनोर रूजवेल्ट ने भारतीय लोक संगीत की उनकी प्रस्तुति के लिए उन्हें स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। भूपेन दा के पास अमेरिका में ही रहने का विकल्प था, लेकिन वे भारत लौट आए और पूरी तरह संगीत में रम गए। रेडियो से लेकर रंगमंच तक, फिल्मों से लेकर शैक्षिक वृत्तचित्रों तक, वे हर माध्यम में पारंगत थे। वे जहां भी गए, उन्होंने युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। उनकी रचनाओं में गीतात्मकता के साथ ही सामाजिक संदेश भी थे, जिनमें गरीबों के लिए न्याय, ग्रामीण विकास, आम नागरिकों की शक्ति आदि जैसे विषय शामिल थे। अपने संगीत के माध्यम से, उन्होंने नाविकों, चाय बागानों के मजदूरों, महिलाओं, किसानों आदि की आकांक्षाओं को स्वर दिया। पुरानी यादों को ताजा करने के साथ–साथ, भूपेन दा की रचनाएं आधुनिकता को देखने का एक सशक्त माध्यम भी बनीं। बहुत से लोग, खासकर उनके जैसे सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों के लोग, उनके संगीत से शक्ति और आशा प्राप्त करते हैं। एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना भूपेन हजारिका की जीवन यात्रा में सशक्त रूप से अभिव्यक्त हुई। उनकी रचनाओं ने भाषाई और क्षेत्रीय सीमाओं को पार करते हुए देश भर के लोगों को एकजुट किया। उन्होंने असमिया, बंगाली और हिंदी में फिल्मों के लिए संगीत रचना की। उन्होंने शेष भारत के लिए असम को दृश्यमान और श्रव्य बनाया। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि उन्होंने असम में रहने वाले लोगों और दुनिया भर में फैले असमिया प्रवासियों, दोनों के लिए आधुनिक असम की सांस्कृतिक पहचान को आकार देने में योगदान दिया। वे जनसेवा की दुनिया से जुड़े रहे। 1967 में, वे असम के नौबोइचा निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय विधायक चुने गए, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि उनका सार्वजनिक व्यक्तित्व जनता के विश्वास में कितनी गहराई से निहित था। हालांकि वे कभी भी पेशेवर राजनेता नहीं बने, लेकिन दूसरों की सेवा करने का उनका जुनून बेहद प्रभावशाली था। बीते वर्षों में भारत की जनता और सरकार ने उनके अमूल्य योगदान की सराहना की है। उन्हें पद्मश्री, पद्म भूषण, पद्म विभूषण, दादासाहेब फाल्के पुरस्कार सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से और एनडीए सरकार के लिए सम्मान की बात थी कि 2019 में हमारे कार्यकाल के दौरान, उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान दिए जाने पर दुनिया भर के लोगों, खासकर असम और पूर्वोत्तर के लोगों ने खुशी जाहिर की। यह सम्मान उन सिद्धांतों का एक उत्सव है जिन्हें भूपेन दा अपने दिल के करीब मानते थे – कि संगीत, जब सच्चाई पर आधारित होता है तो सभी बाधाओं को पार कर सकता है, एक गीत लोगों के सपनों का भार उठा सकता है और दुनिया भर के दिलों को छू सकता है। यह उनके सिद्धांतों का कीर्तिगान है। मुझे याद है 2011 में भूपेन दा का निधन हुआ था। मैंने टेलीविजन पर देखा था कि कैसे लाखों लोग उनके अंतिम संस्कार में शामिल हुए थे।

सात्विक–चिराग की जोड़ी हांगकांग सुपर 500 में करेगी भारतीय चुनौती की अगुवाई

विश्व चैंपियनशिप में हाल ही में कांस्य पदक जीतने वाली सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष जोड़ी मंगलवार से शुरू हो रहे हांगकांग सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में एक बार फिर भारत की चुनौती का नेतृत्व करेगी।

विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज इस जोड़ी ने पेरिस में शानदार प्रदर्शन के बूते विश्व चैंपियनशिप में अपना दूसरा कांस्य पदक जीता। यह जोड़ी मौजूदा सत्र में निरंतरता के साथ लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली जोड़ी रही है। वे बीडब्ल्यूएफ टूर पर भारत, मलेशिया, चीन और सिंगापुर सहित कई प्रतियोगिताओं के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं।

आठवीं वरीयता प्राप्त यह जोड़ी अपने अभियान की शुरुआत चीनी ताइपे के चियु शिआंग चिएह और वांग ची–लिन के खिलाफ करेगी। दो बार की

ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने विश्व चैंपियनशिप में चीन की वांग झी यी को हराकर फॉर्म में वापसी का संकेत दिया था। उनका अभियान हालांकि क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाया था।

हांगकांग में सिंधु के सामने डेनमार्क की लाइन क्रिस्टोफरसेन के खिलाफ अपने पहले मैच में बेहतर प्रदर्शन करने की चुनौती होगी। इस साल के उभरते सितारों में से एक यूएस ओपन चैंपियन आयुष शेट्टी का पहले दौर में चीन के लू गुआंग झू के खिलाफ एक कठिन मुकाबला है। पूर्व विश्व नंबर छह लक्ष्य सेन पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक से चूकने के बाद से लय तलाश रहे हैं। वह चीनी ताइपे के वांग त्जु वेई के खिलाफ आत्मविश्वास हासिल करने की कोशिश करेंगे।

24 साल का यह खिलाड़ी इस साल चोट और करीबी मुकाबलों में हार से परेशान रहा है। पेरिस में डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन से कड़े मुकाबले में हार का सामना करने वाले एचएस प्रणय के सामने एक बार फिर मुश्किल चुनौती होगी। वह अपना अभियान जापान के पांचवीं वरीयता प्राप्त कोदाई नाराओका के खिलाफ शुरू करेंगे।

महिला एकल में अनुपमा उपाध्याय का सामना जापान की चौथी वरीयता प्राप्त टोमोका मियाजाकी से होगा, जबकि रक्षिता रामराज का मुकाबला थाईलैंड की पूर्व विश्व चैंपियन और पांचवीं वरीयता प्राप्त रत्चानोक इंतानोन से होगा। युगल में हरिहरन आम्साकरुनन और रुबन कुमार रेथिनासबपति की पुरुष जोड़ी तथा रुतपर्णा और स्वेतपर्णा पांडा की महिला जोड़ी भी अपनी किस्मत आजमायेगी।

विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की मिश्रित जोड़ी का सामना चीनी ताइपे के चेन चेंग कुआन और सु यिन–हुई से होगा, जबकि रोहन कपूर और गद्दे रुत्विका शिवानी की मिश्रित जोड़ी के सामने दूसरी वरीयता प्राप्त चीन के फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग की चुनौती होगी।

पूर्व विश्व नंबर एक किदांबी श्रीकांत, थरुण मन्नेपल्ली, किरण जॉर्ज और एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यन क्वालीफायर के सामने क्वालीफायर के जरिये मुख्य दौर में जगह बनाने की चुनौती होगी। इस साल सुपर 500 फाइनल में पहुंचने वाले श्रीकांत एकमात्र भारतीय एकल खिलाड़ी हैं। वह मलेशिया मास्टर्स में उपविजेता रहे थे।

कार्लोस अल्काराज ने यानिक सिनर को हराकर जीता यूएस ओपन का खिताब, जानें कितनी मिली प्राइज मनी?

इन दिनों स्पेनिश टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज के सितारे गर्दिश में हैं। एक के बाद एक करके वह कई खिताब अपने नाम करते जा रहे हैं। वहीं उन्होंने दूसरी बार यूएस ओपन का खिताब अपने नाम किया है। दरअसल, रविवार को ग्रैंड फिनाले में कार्लोस अल्काराज ने नंबर वन टेनिस प्लेयर यानिक सिनर को चार सेट तक चले मुकाबले में मात दी। इस तरह कार्लोस अल्काराज ने एक और खिताब अपने नाम किया, जो ग्रैंड स्लैम का उनका छठा खिताब है। इसके साथ ही अल्काराज ने राफेल नडाल की बराबरी कर ली। वे 23 साल से कम उम्र में 6 खिताब जीतने वाले तीसरे प्लेयर बन गए हैं। इससे पहले ये खिताब राफेल नडाल ने भी 23 साल से पहले जीत लिए थे। साथ ही ये खिताब बिजॉर्न बोर्ग ने जीते हैं।

कार्लोस अल्काराज ने आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए यूएस ओपन 2025 के फाइनल में यानिक सिनर को 6–2, 3–6, 6–1, 6–4 से हराया। कार्लोस अल्काराज ने न सिर्फ छठा ओपन टाइटल जीता, बल्कि वे एटीपी रैंकिंग में नंबरवन की कुर्सी भी हासिल करने में सफल हुए, जिसपर पिछले 65 सप्ताह से यानिक सिनर का कब्जा था। कार्लोस अल्काराज का ये यूएस ओपन का दूसरा टाइटल है। 2022 में भी वे इस खिताब को जीत चुके हैं, जो उनका पहला ग्रैंड स्लैम टाइटल था। तीन साल के इंतजार के बाद फिर से वे इसके चैंपियन बने हैं।

कार्लोस अल्काराज पर पैसों की बारिश

वहीं 22 वर्षीय कार्लोस अल्काराज को यूएस ओपन 2025 का खिताब जीतने पर पिछले साल की तुलना में 39 प्रतिशत ज्यादा की इनामी राशि मिली। यूएस ओपन 2025 के सिंगल्स में विजेता को इनामी राशि के रूप में 5 मिलियन डॉलर यानी भारतीय रुपये के अनुसार, करीब 44 करोड़ रुपये मिले हैं। बता दें कि, पिछले सीजन के विजेता को 31.74 करोड़ रुपये मिले थे। इसके अलावा रनर–अप रहे यानिक सिनर को 22 करोड़ रुपये से ज्यादा मिले। जो की आईपीएल 2025 की आरसीबी को मिले प्राइज मनी से ज्यादा है।

युद्ध अभी रुक जाएगी...इजरायल ने अब रख दी कौन सी शर्त? क्या तैयार होगा हमास

इजरायल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने गाजा युद्ध को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि गाजा में चल रहा युद्ध तब समाप्त हो सकता है, जब बंधकों को रिहा कर दिया जाए। इसके साथ ही फिलिस्तीनी उग्रवादी समूह हमास अपने हथियार डाल दे। ये बयान हमास की ओर से अपने लंबे समय से चली आ रही मांग को दोहराए जाने के एक दिन बाद आया है, जिसमें उसने कहा था कि सभी बंधकों को रिहा कर देगा बशर्ते इजरायल युद्ध समाप्त करने और गाजा शहर से अपनी सेना वापस बुलाने पर सहमत हो। गिदोन सार का ये बयान इजरायल हमास संघर्ष के बीच शांति स्थापना में अहम हो सकता है क्योंकि ये युद्ध की शर्तों को पुष्ट करता है। हालांकि ये दोनों देशों के परस्पर विरोधी मांगों को भी उजागर करता है।

इजरायल ने फिलिस्तीनी चरमपंथी संगठन को आत्मसमर्पण करने या पूरी तरह से विनाश का सामना करने की धमकी दी है। इजरायल के रक्षा मंत्री, इजरायल काट्ज ने कहा है कि अगर संगठन ने अभी

हथियार नहीं डाले, तो गाजा में एक शक्तिशाली तूफान आएगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने एक पोस्ट में लिखा कि गाजा शहर के आसमान में एक शक्तिशाली तूफान आएगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि ध्वस्त गाजा और विदेशों में आलीशान होटलों में हमास के हत्यारों और बलात्कारियों के लिए एक अंतिम चेतावनी है।

इजरायल–हमास युद्ध में 64,000 लोग मारे गए

गाजा शहर से लोगों को खदेड़ने और उस पर कब्जा करने के लिए, आईडीएफ एक बड़े जमीनी हमले की तैयारी कर रहा है। अन्य हिस्सों से खदेड़े जाने के बाद दस लाख से ज्यादा फिलिस्तीनी इस इलाके में शरण लिए हुए हैं। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शनिवार को कहा कि 1,00,000 से ज्यादा लोग पहले ही गाजा शहर छोड़ चुके हैं। गाजा शहर के अधिकारियों के अनुसार उसके बाद शुरू हुए इजरायली हमलों के बाद से 64,000 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। मारे गए लोगों में आधे महिलाएं और बच्चे हैं। अब तक 1,62,000 से ज्यादा लोग घायल हो चुके हैं।

क्रिस गेल का आईपीएल को लेकर महाखुलासा, इस फ्रेंचाइजी पर लगाया अनादर करने का आरोप

वेस्टइंडीज के महान सलामी बल्लेबाज क्रिस गेल ने आईपीएल

को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। दरअसल, उन्होंने उस सीजन की सच्चाई और दर्द बयां किया है, जो उन्होंने पंजाब किंग्स के साथ गुजारा था। क्रिस गेल ने कहा है कि पंजाब किंग्स फ्रेंचाइजी ने उनका अनादर किया और उन्हें बच्चे से जैसा ट्रीट किया है। उन्होंने केएल राहुल और अनिल कुंबले का भी जिक्र किया है जो उस समय कप्तान और हेड कोच थे। क्रिस गेल ने शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में कहा कि, पंजाब किंग्स के साथ मेरा आईपीएल सीजन समय से पहले ही खत्म हो गया था। किंग्स इलेवन में मेरा अनादर किया गया। मुझे लगा कि एक सीनियर खिलाड़ी होने के बावजूद, जिसने लीग के लिए इतना कुछ किया और मूल्य अर्जित की, मेरे साथ ठीक से व्यवहार नहीं किया गया। उन्होंने मेरे साथ एक बच्चे जैसा व्यवहार किया। जिंदगी में पहली बार मुझे लगा कि मैं डिप्रेशन में जा रहा हूं। अनिल कुंबले से बात करते हुए मैं रो पड़ा, क्योंकि मैं बहुत आहत था। मैं उनसे और फ्रेंचाइजी के संचालन के तरीके से निराश था। केएल राहुल ने मुझे फोन करके भी कहा कि, क्रिस रुको तुम अगला मैच खेलोगे, लेकिन मैंने बस कहा, तुम्हें शुभकामनाएं और अपना बैग पैक करके बाहर निकल गया। क्रिस ने पंजाब के अलावा केकेआर और आरसीबी के लिए भी आईपीएल खेला है। 142 मैच वे इस लीग में खेले हैं। इनकी 141 पारियों में कुल 4965 रन उन्होंने बनाए हैं। 175 उनका बेस्ट है। 6 शतक और 31 अर्धशतक उन्होंने जड़े। 2008 में उन्होंने आईपीएल डेब्यू किया था और इसके बाद 2021 में उन्होंने आखिरी आईपीएल मैच खेला है।

बिजली विभाग के अवर अभियन्ता पर अभद्रता का आरोपः डीएम से कार्रवाई की मांग, सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व मण्डल अध्यक्ष बलराम सिंह 'राहुल' ने सोमवार को जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। मांग किया कि बिजली विभाग के अवर अभियन्ता द्वारा

उपभोक्ताओं के साथ आये दिन बदसलूकी और अभद्रता मामले में जांच कर दोषी को दण्डित किया जाय। डीएम को सौंपे ज्ञापन में भाजपा नेता बलराम सिंह 'राहुल' ने कहा है कि गत 5 सितम्बर को दोपहर 9 बजे तक विद्युत उप केन्द्र भानपुर पर विद्युत आपूर्ति बाधित थी। मोबाइल नम्बर 9453048057 पर सम्पर्क किया जो बंद था। इसके बाद अवर अभियन्ता राम मिलन यादव के सी.यू.जी. नम्बर 9453047460 पर फोन किया, अपना परिचय दिया और पूछा कि विद्युत आपूर्ति 2 बजे से बाधित है कब तक बहाल हो जायेगी। तो उन्होंने मुझसे कहा बिजली घर पर फोन लगाइए। मैंने बताया कि बिजली घर का नम्बर बन्द है तो उन्होंने मुझसे अभद्रतापूर्वक बात करते हुए कहा कि तुम इतने बड़े काबिल हो गये हो कि बिजली के लिए जे.ई. व एस.डी.ओ. को फोन मिलाओगे। उनकी भाषा शैली से ऐसा प्रतीत हुआ कि शायद व नशे में हैं। इसीलिए मैंने स्वयं फोन काट दिया। अवर अभियन्ता द्वारा उपभोक्ताओं के साथ आये दिन बदसलूकी एवं अभद्रता किया जाता है। उन्होंने मांग किया है कि अभद्र व्यवहार करने वाले अवर अभियन्ता राम मिलन यादव के विरुद्ध कार्यवाई के साथ ही ऐसी व्यवस्था किया जाय कि उपभोक्ताओं के साथ दुर्व्यवहार न हो और उन्हें समुचित जानकारी दी जाय। बलराम सिंह 'राहुल' ने कहा ऐसे अधिकारी सरकार और विभाग की छवि धूमिल कर रहे हैं। यदि दो दिन के भीतर समुचित कार्यवाई न हुई तो आन्दोलन करने को बाध्य होंगे। ज्ञापन देने के दौरान मुख्य रूप से विश्व हिन्दू महासंघ अध्यक्ष अखिलेश सिंह, मनोज सिंह, राजेश शर्मा (विक्की), दुर्गेश सिंह, अजय सिंह, रवि यादव, रामपाल आदि शामिल रहे।

त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के कुसम्ही गांव की घटना

दैनिक बुद्ध का संदेश

नगवापुर/ सिद्धार्थनगर। क्षेत्र में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। रविवार की रात त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के कुसम्ही गांव में अज्ञात चोरों ने एक घर को निशाना बनाया। चोरी की इस वारदात से ग्रामीणों में दहशत और गहरा गया है। आवाम का कहना है कि यह पिछले कुछ महीनों में क्षेत्र में लगातार चोरियों से दहशत का माहौल बना हुआ है। लगातार हो रही चोरियों पर अंकुश लगाने और अब तक किसी भी मामले का खुलासा न कर पाने के कारण पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार कुसम्ही गांव निवासी बांकेलाल पुत्र पंचम रविवार की रात परिवार के साथ करीब 12 बजे सो गए। इसी दौरान देर रात चोरों ने मौके का फायदा उठाते हुए घर के नुसयले में लगी खिड़की की जाली उखाड़ डाली और घर में घुस गए। घर के अंदर जाकर उन्होंने बक्सों को खंगाला और कुछ नहीं मिला तो बोरे में रखा सरसों पलट दिया और सोने चांदी के जेवरात एक सोने का हार, दो जोड़ी झाला, पायल और बिछुआ समेत कीमती आभूषण चोरी कर ले गए। सुबह 6 बजे घर वालों को पता चला तब 112 पीआरवी की टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक पूछताछ के साथ पीड़ित परिवार को थाने जाकर तहरीर देने की सलाह दी। ग्रामीणों का कहना है कि आए दिन हो रही चोरियों से पूरा क्षेत्र असुरक्षित महसूस कर रहा है। बार–बार शिकायत करने के बावजूद न तो पुलिस चोरों तक पहुंच पा रही है और न ही घटनाओं में कमी आ रही है। लोगों का कहना है कि जब तक पुलिस सख्ती नहीं दिखाएगी, तब तक अपराधियों के हौसले बुलंद रहेंगे। इस संबंध में जब थाना प्रभारी त्रिलोकपुर ने बताया कि मैं स्वयं घटनास्थल पर गया था। यह घटना प्रथम दृष्टया संदिग्ध प्रतीत हो रही है। मामले की गहनता से जांच की जा रही है। स्थिति स्पष्ट होने पर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जाएगी। लगातार हो रही चोरियों से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। लोग अब ठोस कार्यवाई और पुलिस से पारदर्शी जवाब की अपेक्षा कर रहे हैं।

एशिया कप हॉकी में भारतीय महिलाओं का दबदबा, सिंगापुर को 12–0 से रौंदा

चीन में हो रहे महिला हॉकी एशिया कप 2025 में सोमवार 8 सितंबर को भारतीय महिला हॉकी टीम ने सिंगापुर को 12–0 से हरा दिया। भारत की इस जीत में नवनीत कौर और मुमताज खान ने अहम भूमिका निभाई। जहा नवनीत (14वें, 18वें और 28वें मिनट) और

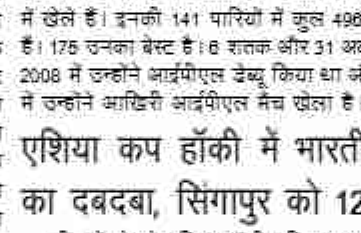

मुमताज खान (दूसरे, 32वें और 38वें मिनट) के अलावा नेहा, लालरेम्सियामी (13वें), शर्मिला देवी (45वें मिनट) और ऋतुजा पिसल (52वें मिनट) ने भी भारत के लिए गोल दागे। नेहा ने 11वें और 38वें मिनट में दो गोल किए। विश्व में 10वें नंबर की टीम भारत ने पिछले हफ्ते अपने पहले मैच में थाईलैंड को 11–0 से हराया था। वहीं इसके बाद जापान के खिलाफ 2–2 से ड्रॉ खेला था। सिंगापुर विश्व रैंकिंग में 34वें स्थान पर है। इस टूर्नामेंट में आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं और दोनों पूलों से शीर्ष दो टीमें सुपर 4 चरण के लिए क्वालीफाई करेंगी। सुपर 4 में टॉप 2 टीमें 14 सितंबर को होने वाले फाइनल में खेलेंगी। एशिया कप जीतने वाली टीम बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले 2026 महिला वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई करेगी। वहीं मैच की बात करें तो, चौथे क्वार्टर को छोड़ दिया जाए तो सिम हैलेरी की अगुवाई वाली टीम सलीमा टेटे ब्रिगेड के सामने संघर्ष करती दिखी। भारतीय महिलाओं ने शुरू से ही दबदबा बनाया। भारत ने पहले क्वार्टर में 4 गोल दागे। दूसरे क्वार्टर में स्कोरलाइन को 7–0 कर दिया। हॉफ टाइम के बाद भारत ने 5 गोल दागे। तीसरे क्वार्टर में 4 और आखिरी क्वार्टर में एक गोल किया।

हिंसा के बीच सड़कों पर उतरी सेना, देखते ही गोली मारने के आदेश जारी, अब तक 9 लोगों की मौत

सरकार पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों और फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, यूट्यूब और स्नैपचैट समेत कई प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर हाल ही में लगाए गए प्रतिबंध के विरोध में जेन" प्रदर्शनकारियों ने काठमांडू में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए। हजारों प्रदर्शनकारी अपनी असहमति जताने के लिए काठमांडू के मैतीघर में एकत्रित हुए। प्रदर्शनकारियों द्वारा प्रतिबंधित क्षेत्र का उल्लंघन कर संसद परिसर में घुसने के बाद स्थिति और बिगड़ गई। पुलिस ने पानी की बौछारें, आंसू गैस और गोला–बारूद से जवाबी कार्रवाई की। नेपाल में अशांति के कारण भारत ने भी सुरक्षा बढ़ा दी है। सशस्त्र सीमा बल (ठ) ने भारत–नेपाल सीमा पर निगरानी बढ़ा दी है और सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा सतर्कता बनाए रखने के लिए अतिरिक्त जवानों को तैनात किया है।

प्रदर्शनकारियों के साथ पुलिस की झड़प

काठमांडू में संसद भवन के बाहर तनाव बढ़ने पर दंगा पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई। सुरक्षा बल डटे रहे और बढ़ती हुई तनावपूर्ण स्थिति को संभालने के लिए भीड़ नियंत्रण उपायों का इस्तेमाल किया। विरोध प्रदर्शन टकराव में बदल गए हैं और अधिकारी बढ़ती अशांति के बीच व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रयासरत हैं। एक सरकारी प्रवक्ता ने पुष्टि की है कि काठमांडू के विरोध–प्रभावित इलाकों में कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए नेपाली सेना को तैनात किया गया है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब अधिकारी बढ़ते तनाव को नियंत्रित करने और चल रहे प्रदर्शनों के बीच शांति बहाल करने के प्रयास कर रहे हैं।

संसद पर धावा बोलने की कोशिश के बाद कर्फ्यू लगा दिया गया। अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, नेपाली पुलिस ने संसद भवन पर धावा बोलने की कोशिश कर रहे युवा प्रदर्शनकारियों को तितर–बितर करने के लिए आंसू गैस और रबर की गोलियां चलाईं। काठमांडू जिला कार्यालय के प्रवक्ता मुक्तिराम रिजाल ने मीडिया को बताया कि विरोध प्रदर्शनों के हिंसक हो जाने के बाद व्यवस्था बहाल करने में मदद के लिए स्थानीय समयानुसार रात 10 बजे (1615 जीएमटी) तक कर्फ्यू लगा दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि सुरक्षा बलों को प्रदर्शनकारियों को पीछे धकेलने के लिए पानी की बौछारें, लाठियों और रबर की गोलियां इस्तेमाल करने का निर्देश दिया गया था।

प्रधान ने गलत तरीके से पट्टा करने का लगाया आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। सल्टौआ विकास क्षेत्र के बिल्लौर ग्राम प्रधान धर्मराज गुप्ता ने उप जिलाधिकारी सदर को शिकायती पत्र देकर ग्राम पंचायत के तालाब का विधि विरुद्ध पट्टा कराये जाने के षड्यंत्र का आरोप लगाया है।

ग्राम प्रधान ने शिकायती पत्र में कहा है कि उनके ग्राम पंचायत में मछुआरा समाज के लोग हैं जिन्हें प्रथम वरीयता के आधार पर पट्टा दिया जाना चाहिये। इसकी अनदेखी कर प्रशासनिक अधिकारी दूसरे गांव के किसी अपात्र को पट्टा देने की साजिश रच चुके हैं। इससे पहले की आवंटन की घोषणा हो और सूची जारी हो मामले की जांच कर बिल्लौर ग्राम पंचायत के किसी पात्र व्यक्ति को पट्टा दिया जाना उचित व न्यायसंगत है। ग्राम प्रधान ने तत्काल पट्टा निरस्त किये जाने की मांग किया है।

यूरो किड्स पचपेड़िया रोड पर ग्रैंड पेरेंट्स डे का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। पचपेड़िया रोड स्थित यूरो किड्स में ग्रैंड पेरेंट्स डे का आयोजन बड़े ही उत्साह और जोश के साथ किया गया। छात्रों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। छात्रों ने अपने दादा के गेटअप में और छात्राओं ने अपनी दादी के गेटअप में मनमोहक प्रस्तुति कर इसको यादगार बना दिया। इस अवसर पर विद्यालय के कुछ छात्रों ने विशेष रूप से भाग लिया, जिनमें अविक, अद्विक पटेल, अभियान वर्मा, आयांश जायसवाल, यशिका श्रीवास्तव, शिव्या, सांची, सात्विका, मयंक, प्रियांशी, सर्वज्ञ पाठक, वैष्णवी, कुशाग्र, मनस्वी आदि प्रमुख थे।

विद्यालय के प्रबंधक अमरमणि पांडेय व प्रधानाचार्य श्रीमती अर्चना पांडेय ने कहा कि पैरेंट्स डे का महत्व माता–पिता के अनमोल प्यार, त्याग और बच्चों के जीवन में उनके अमूल्य योगदान को सम्मान देने में है, यह दिन बच्चों में कृतज्ञता की भावना जगाता है, माता–पिता और बच्चों के बीच संबंधों को मजबूत करता है, और पारिवारिक मूल्यों को बढ़ावा देता है। विद्यालय की प्रशासनिक प्रभारी दिव्या पाठक और उप–प्रधानाचार्य दिनेश त्रिपाठी ने कहा कि पैरेंट्स डे न केवल माता–पिता का सम्मान करता है बल्कि पूरे समाज में पारिवारिक मूल्यों और मजबूत रिश्तों के महत्व को भी बढ़ावा देता है। इस अवसर पर उपस्थित थे। विद्यालय में खुशी और प्रेम का वातावरण था। पैरेंट्स डे के अवसर पर नीलम चौधरी, लक्ष्मी वर्मा, पूजा शुक्ला, ऋचिका सिंह, संजू सिंह, अंकिता श्रीवास्तव, रिया सिंह, सुमन गुप्ता, आकांक्षा मिश्रा, अयाज अहमद, अभिनव प्रजापति, नंदिनी, आफताब शेख सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

स्व. सरजू निषाद के सम्मान में बना स्मृति द्वार का उदघाटन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। आदर्श नगर पंचायत नगर बाजार बस्ती के वार्ड संख्या 15 दीनदयाल नगर में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व सरजू भगत निषाद के सम्मान में उनके नाम पर एक स्मृति द्वार स्थापित किया गया है। जिसका उद्घाटन नगर पंचायत नगर की अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने किया। अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने कहा कि यह स्मृति द्वार फुलवरिया निषाद समुदाय की ओर से उनके योगदान को याद करने और सम्मानित करने का एक प्रयास है।

स्व सरजू भगत निषाद ने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सन 1962 में निषाद के नेतृत्व में नगर को आदर्श ग्राम पंचायत का दर्जा मिला था। नगर में जनता इण्टर कॉलेज और विकास खण्ड बहादुरपुर की स्थापना उनकी उपलब्धियों में शुमार है। उत्तर प्रदेश राज्य पंचायत परिषद के प्रदेश अध्यक्ष राना दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि निषाद समाज से जुड़े सरजू भगत जी के नाम पर प्रवेश द्वार का निर्माण उनके प्रति एक सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि स्थानीय महापुरुषों के नाम पर कार्यक्रम एवं योजनाएं बनाना प्रशंसनीय कदम है। अधिशासी अधिकारी सृष्टि सिंह ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप योजनाओं का क्रियान्वयन जारी रहेगा। सरजू भगत निषाद के वंशज श्री राम विवेक निषाद सहित उनके जन्म स्थान फुलवरिया निषाद से आए नागरिकों ने इस कार्य की भूरि –भूरि प्रशंसा करते हुए नगर पंचायत का आभार जताया। इस अवसर पर सभासद सत्यराम निषाद, अखिलेश यादव, राम सजन यादव, राम मिलन निषाद, हरिद्वार निषाद, केशव प्रसाद निषाद, घनश्याम निषाद, प्रदीप निषाद, भगवान दीन निषाद सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

हर्रैया ब्लॉक सभागार में आयोजित बैठक में सभी ग्राम पंचायतों एवं नगर पंचायत वार्डों में वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। जिला प्रशासन बस्ती एवं लोक भारती के संयुक्त तत्वावधान में तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के सहयोग से पूरे जनपद में हरिशंकरी वृक्षारोपण अभियान निरंतर गति पकड़ रहा है। इसी कड़ी में हर्रैया ब्लॉक सभागार में आयोजित बैठक में सभी ग्राम पंचायतों एवं नगर पंचायत वार्डों में वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। बैठक की अध्यक्षता नेशनल इंटर कॉलेज के पूर्व संरक्षक डॉ. रामनरेश मंजुल सिंह ने की, जबकि कार्यक्रम का शुभारंभ लोक भारती के राष्ट्रीय संपर्क प्रमुख श्री श्या चौधरी ने मुख्य वक्ता के रूप में किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पीपल, बरगद और पाकड़ जैसे हरसंकरी वृक्ष जीवन के संवाहक हैं। ये वृक्ष प्राणवायु के अमृत–स्रोत हैं, जलस्तर को संतुलित रखते हैं, पशु–पक्षियों और जीव–जंतुओं के लिए भोजन एवं प्राकृतिक आवास की व्यवस्था करते हैं तथा धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी अनमोल धरोहर हैं।

कोविड–काल का स्मरण कराते हुए उन्होंने कहा कि यदि हमने पहले ही वृक्षारोपण को जीवन–यज्ञ बना लिया होता तो हमें ऑक्सीजन के लिए कतारों में खड़ा न होना पड़ता। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि प्रकृति हमें निरंतर देती है और हमारा दायित्व है कि हम भी उसे हरिशंकरी वृक्षों के रूप में लौटाएँ। इस अवसर पर हर्रैया विधायक अजय सिंह ने इस अभियान को पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया और कहा कि जनपद में यदि पर्यावरण से जुड़ी कोई भी पहल होगी तो उसे हर्रैया विधानसभा में प्राथमिकता से लागू किया जाएगा। हर्रैया नगर पंचायत अध्यक्ष कौशलेंद्र सिंह ने अपने नगर पंचायत को वृक्षारोपण में जनपद में प्रथम स्थान दिलाने का संकल्प जताया। ब्लॉक प्रमुख योगेंद्र सिंह ने हरिशंकरी वृक्षों को ब्रह्मा, विष्णु और महेश का स्वरूप बताते हुए इनके धार्मिक महत्व को रेखांकित किया। सामाजिक कार्यकर्ता डॉ दीनानाथ पटेल ने प्रतिवर्ष पाँच हजार से अधिक फलदार पौधे अपने निजी संसाधनों से समाज को भेंट करने की परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका जीवन पर्यावरण संरक्षण को समर्पित है। संरक्षक की भूमिका में डॉ. रामनरेश मंजुल सिंह ने घोषणा की कि वृक्षारोपण केवल कार्य नहीं बल्कि पूजा है और प्रत्येक वृक्ष को परिवार के सदस्य की तरह संरक्षित करना हमारी जिम्मेदारी है। इसी क्रम में कप्तानगंज ब्लॉक सभागार में भी बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता नगर पंचायत अध्यक्ष चंद्र प्रकाश चौधरी ने की। इस अवसर पर बीडीओ चंद्रभान उपाध्याय, व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष सुशील गुप्ता, बीडीओ पंचायत सुशील कुमार सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि कप्तानगंज ब्लॉक क्षेत्र की 83 ग्राम सभाओं, 15 नगर पंचायत वार्डों एवं 47 क्षेत्र पंचायतों में वृक्षारोपण को लेकर व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि भोला निषाद, विजय चौधरी, विनय चौधरी, लालमणि चौधरी, अवधेश निषाद, राजेश कुमार, हरिशंकर यादव, विनोद निषाद, देवमणि वर्मा और सर्वेश कश्यप की उपस्थिति ने अभियान को नई ऊर्जा दी। दोनों ब्लॉकों में आयोजित इन बैठकों में यह तय किया गया कि वृक्षारोपण को योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा। ग्रामसभा से लेकर नगर पंचायत तक हर जगह हरसंकरी वृक्ष लगाए जाएंगे, उनके संरक्षण की जिम्मेदारी स्थानीय स्तर पर तय की जाएगी और समाज को जागरूक करने के लिए सतत अभियान चलाया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता अजय कुमार चौधरी जिला संयोजक लोकभारती द्वारा किया गया।

बलरामपुर नगर पालिका में दो एमआरएफ व बेड–बेस्ट सेन्टर का उद्घाटन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। स्वच्छ भारत मिशन के तहत बलरामपुर नगर पालिका में स्वच्छता को सशक्त बनाने के उद्देश्य से दो नवीन मटीरियल रिकवरी फैसिलिटी व बेड–बेस्ट सेन्टर का भव्य शुभारंभ किया गया, यह पहला अवसर है जब नगर पालिका क्षेत्र में इस प्रकार के अत्याधुनिक सेन्टर की स्थापना की गई है, इस शुभ अवसर पर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष डॉ.धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू ने फीता काटकर सेन्टर का उद्घाटन किया इन सेन्टरों में आधुनिक तकनीकों से युक्त पाँच प्रमुख मशीनें लगाई गई हैं,जो कचरे के वैज्ञानिक और सटीक प्रसंस्करण को सुनिश्चित करेंगी प्रमुख उपकरण व उनकी कार्यप्रणाली 1. वेईंग मशीन यह मशीन कचरे का वजन लेने हेतु सबसे पहले लगाई गई है

एमआरएफ में आने वाले अपशिष्ट पदार्थों का प्रारंभिक वजन इसी मशीन द्वारा किया जाएगा, 2. लैट सेग्रिगेशन कन्वेयर बेल्ट इस मशीन के माध्यम से ट्रॉमल से प्राप्त सूखे कचरे को कन्वेयर बेल्ट पर डाला जाएगा यहाँ 5–6 सफाईकर्मी सूखे कचरे को प्लास्टिक,पेपर,मेटल आदि अलग–अलग वर्गों में बाँटेंगे,3. पटका मशीन यह मशीन विशेष रूप से गंदे प्लास्टिक को साफ करने हेतु लगाई गई है इसमें प्लास्टिक को डालकर ब्लोअर की सहायता से उसमें चिपकी मिट्टी और धूल हटा दी जाती है 4.श्रेडिंग व प्रेस मशीन इस मशीन से प्लास्टिक व ओडीएफ (रिफ्यूज डिराइव्ड फ्यूल) प्रकार के कचरे को छोटे टुकड़ों में काटा जाता है,जिससे उनका पुनः उपयोग या निस्तारण आसान हो सके, 5. हाइड्रोलिक बेल प्रेस मशीन श्रेडिंग मशीन से प्राप्त कचरे को इस मशीन में डालकर छोटे बेल्स (गांठ) बना दी जाती हैं इससे संग्रहण व परिवहन में आसानी होती है उद्घाटन अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्ति इस कार्यक्रम में कई प्रमुख अधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही अध्यक्ष प्रतिनिधि डीपी सिंह बैस,अधिशासी अधिकारी लालचंद मौर्य,जेई सिविल अवनीश यादव,जेई धर्मेन्द्र कुमार गौड़,सभासद प्रतिनिधि अक्षय शुक्ला,सभासद राकेश कश्यप गौरव मिश्रा,शिवम मिश्रा,अरविंद सिंह आदि गणमान्यजन उपस्थित रहे नगरपालिका अध्यक्ष का वक्तव्य अध्यक्ष डॉ. धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू ने अपने संबोधन में कहा,यह सेन्टर नगर के स्वच्छता अभियान में मील का पत्थर साबित होगा इससे न केवल ठोस अपशिष्ट का निस्तारण वैज्ञानिक तरीके से होगा,बल्कि सफाई कर्मियों के कार्य में भी सुविधा एवं गति आएगी हमारा लक्ष्य बलरामपुर को स्वच्छ,सुंदर और सतत विकास की ओर अग्रसर करना है निष्कर्ष बलरामपुर नगर पालिका में एमआरएफ व बेड–बेस्ट सेन्टर का उद्घाटन न केवल स्वच्छता की दिशा में एक नई शुरुआत है,बल्कि यह स्थानीय प्रशासन की पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है आधुनिक मशीनों की स्थापना से कचरा प्रबंधन में पारदर्शिता और दक्षता आएगी,जिससे नगरवासियों को स्वच्छ वातावरण की सौगात मिलेगी।

नवनियुक्त 07 कनिष्ठ सहायको को वितरित किये गये नियुक्ति पत्र, मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का हुआ सजीव प्रसारण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी चयन प्रक्रिया के अन्तर्गत चयनित 1112 कनिष्ठ सहायक एवं 22 एक्सरे टेक्नीशियन को लोक भवन स्थित सभागार में मुख्यमंत्री

योगी आदित्यनाथ द्वारा नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम के अवसर पर विकास भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में एमएलसी पदमसेन चौधरी व डॉ प्रज्ञा त्रिपाठी तथा विधायक नानपारा राम निवास वर्मा ने जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी, मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ संजय कुमार के साथ जनपद में नवनियुक्त 07 कनिष्ठ सहायकों एन्थर्व कुमार गुप्ता, शालिनी चौधरी, राघवेन्द्र शुक्ला, राजन सिंह, नितिन यादव, कमल नयन तिवारी व कुमारी स्वाती देवी को नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया। नियुक्ति पत्र वितरण से पूर्व मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन डीएचईआईओ बृजेश कुमार सिंह ने किया।

जनपद न्यायाधीश ने राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए किया बैठक

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष/ जनपद न्यायाधीश सत्येन्द्र कुमार की अध्यक्षता तथा अपर जनपद न्यायाधीश/ नोडल अधिकारी, लोक अदालत अरविंद कुमार गौतम व अपर जनपद न्यायाधीश/ सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विराट शिरोमणि की मौजूदगी में सिविल कोर्ट सभागार में न्यायिक अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में निर्देश दिया गया कि आगामी 13 सितम्बर 2025 को सम्पन्न होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिकाधिक संख्या में वादों को चिन्हित कर उनका निस्तारण कराया जाय। राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाये जाने हेतु मौजूद न्यायिक अधिकारियों से सुझाव भी प्राप्त किये गये। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बहराइच के सचिव शिरोमणि द्वारा जन सामान्य से अपील की गई है कि 13 सितम्बर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिकाधिक संख्या में वादों को नियत करवाकर सुलह–समझौता के माध्यम से वादों का निस्तारण कराकर आयोजन का भरपूर लाभ उठायें।

वन्य जीव सक्रियता वाले क्षेत्र की लगातार की जा रही है निगरानी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। प्रभागीय वनाधिकारी बहराइच राम सिंह यादव ने बताया कि वन प्रभाग, बहराइच के बहराइच रेंज के विकास खण्ड महसी अन्तर्गत 28 अगस्त 2025 को ग्राम–कम्मोरी के बदनपुरवा, ग्राम सिसैया चूड़ामणि व मोतीपुरवा एवं ग्राम–गलकारा अहिरनपुरवा में अज्ञात वन्य जीव द्वारा ग्रामवासियों पर किये गये हमले के दृष्टिगत बहराइच वन प्रभाग स्तर से 07 गश्ती दलों का गठन किया गया है जो दिवस/ रात्रि वन्य जीव सक्रियता क्षेत्रों में गश्त की कार्यवाही की जा रही है। इसके अतिरिक्त वन्य जीव सक्रियता वाले क्षेत्रों में 02 थर्मल ड्रोन/ ड्रोन कैमरों के माध्यम से वन्य जीव को खोजने की कार्यवाही की जा रही है। गश्ती दलों द्वारा संवेदनशील स्थलों पर 05 कैमरा ट्रैप्स तथा हमले से प्रभावित ग्रामों में सोलर सीसीटीवी कैमरे स्थापित किये गये हैं ताकि वन्य जीव की पहचान सुनिश्चित करते हुए उसे सुरक्षित रेस्क्यू किया जा सके। डीएफओ श्री यादव ने बताया कि गश्ती टीमों द्वारा पैदल चलकर सक्रिय वन्य जीव को चिन्हित किये जाने एवं पगमार्क खोजने की कार्यवाही की जा रही है।

अन्वेषण से प्राप्त पग चिन्हों से यह स्पष्ट हो रहा है कि उक्त वन्य जीव भेड़िया की श्रेणी में नहीं है। उन्होंने बताया कि जन जागरूकता टीमों द्वारा ग्रामवासियों को हिंसक वन्य जीवों से बचाव हेतु लगातार जागरूक किया जा रहा है। जन–जागरूकता के तहत प्रभावित क्षेत्रों में ग्रामवासियों को रात्रि में अपने घरों के अन्दर दरवाजा बन्द करके स्वय एवं बच्चों को सुरक्षित सुलाने हेतु आग्रह किया जा रहा है। गश्ती टीमों द्वारा वन्य जीव के हमलों से प्रभावित ग्रामों के बाहरी क्षेत्रों में पटाखों को दगाकर वन्य जीव को रोकने की कार्यवाहियों की जा रही है। डीएफओ ने बताया कि वन, पुलिस एवं जिला प्रशासन के समन्वय से हिंसक जीव के हमले से प्रभावित क्षेत्र में दिवारात्रि की जा रही गश्त के परिणाम स्वरूप कोई भी अप्रिय घटना घटित नहीं होने पायी है।

11 सितम्बर को अभ्यर्थी चयन हेतु होगा साक्षात्कार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड द्वारा संचालित माटीकला विद्युत चालित चाक एवं पगमिल मशीन हेतु प्राप्त आवेदन पत्रों के सापेक्ष 26 लाभार्थियों के चयन हेतु जिला ग्रामोद्योग कार्यालय बहराइच में 11 सितम्बर 2025 को पूर्वान्ह 11:00 बजे से साक्षात्कार का आयोजन किया गया है। यह जानकारी देते हुए जिला ग्रामोद्योग अधिकारी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि माटीकला विद्युत चालित चाक एवं पगमिल मशीन हेतु आवेदन करने वाले इच्छुक आवेदनकर्ता समस्त अभिलेखों (आधार, पैन, जाति, मार्कशीट, राशन कार्ड) की मूल प्रति तथा फोटो के साथ नियत तिथि एवं स्थान पर पहुँचकर साक्षात्कार में प्रतिभाग कर सकते हैं।

पितृ ऋण से मुक्ति के लिए पवित्र स्थान माना जाता है बोध गया– डा0 पवन मिश्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/ सिद्धार्थनगर। पितृपक्ष में पितरों को पिंडदान करने को लिए शोहरतगढ़ विकास क्षेत्र के दर्जनों गांवों से सैकड़ों लोग रविवार को बस द्वारा निकले हैं। इसी क्रम में शोहरतगढ़ विकास क्षेत्र के लुचुइया गांव के प्रेम शंकर शुक्ल, शेष कुमार चौरसिया, तीर्थ चौरसिया, विनोद मिश्रा, रामशंकर शुक्ला भी अपने पत्नी के साथ बोध गया के लिए

रवाना हुए हैं। बातचीत के दौरान लोगों ने बताया कि 17 दिवसीय टूर में ने हम लोग अयोध्या, मथुरा, काशी बनारस, प्रयागराज का दर्शन करते हुए बोध गया को जायेंगे। हिन्दू धर्म के अनुसार पितृ पक्ष के दौरान गया में पिंडदान करने का अत्यंत महत्व है, क्योंकि मान्यता है कि यह पितरों को मोक्ष दिलाता है, उन्हें तृप्त करता है, और सात पीढ़ियों का उद्धार करता है, जिससे उन्हें स्वर्ग की प्राप्ति होती है। गया को मोक्षस्थली भी कहा जाता है क्योंकि यहां भगवान श्री विष्णु स्वयं पितृदेव के रूप में विराजमान रहते हैं और फल्गु नदी के तट पर भगवान श्री राम ने भी अपने पिता राजा दशरथ के लिए पिंडदान किया था, जिससे यह स्थान पितृ ऋण से मुक्ति के लिए पवित्र माना जाता है। इसलिए हर साल हर क्षेत्र से काफी लोग पिंडदान के लिए बोध गया जाते हैं। इस दौरान प्रधान संघ के जिलाध्यक्ष डा0 पवन मिश्र, राजेश शुक्ला, अम्बिका मिश्र,गया प्रसाद, लक्ष्मी,राम करन, श्याम चन्द्र,देवीशरन के साथ काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

उसका में भी चोरों की हुई धमक

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार। उसका थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत परसा शुकुरुल्लाह स्थित एक मकान में चोरों ने रविवार की रात शटर का ताला तोड़कर जेवर, कुछ नगदी, कपड़ा आदि गृह उपयोगी सामान से भरे बॉक्स को चुरा लिया। चोरों ने इतने शातिर ढंग से चोरी की घटना को अंजाम दिया कि घर में सो रहे लोगों को इसकी भनक नहीं लगी, घटना को अंजाम देकर चोर आसानी से फरार हो गए। पीड़ित चांद खान ने बताया कि रात में जब वह जगे तो घर का फाटक खुला देखा, शक के आधार पर कमरे में घुसे तो वहां से दो बॉक्स जिसमें जेवर, कपड़ा और कुछ नगद रुपए रखे थे गायब मिला। इसकी जानकारी रात में उन्होंने पुलिस को दी। चोरी की घटना के बारे में जानकारी जुटाकर पुलिस वापस लौट आई। सुबह लोग जब बाहर निकले तो गांव के पश्चिम बनरी लंगड़ी के तरफ जाने वाले रास्ते पर दो बॉक्स मिला जिसका कुंडा टूटा था और कुछ सामान भी बिखरा पड़ा था। इस संबंध में एसओ हरेंद्र उपाध्याय ने बताया कि पीड़ित चांद खान ने अभी तक इस संबंध में कोई तहरीर नहीं दी है, फिलहाल पुलिस अपने स्तर से जांच कर रही है।

विधिक साक्षरता जागरूकता थीम पर दी गई जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। करमा ब्लॉक के

सेंट जेआरएफ पब्लिक स्कूल विद्यालय मधुपुर में "विधिक साक्षरता विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नीतू यति मिशन कॉर्डिनेटर द्वारा वहां पर उपस्थित बच्चों को व्यक्तियों को उनके कानूनी अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जानकारी दिया गया जिससे वह अपने जीवन को प्रभावी ढंग से जीने और अन्य से लड़ने में सक्षम हो सके. यहां जागरूकता बढ़ाने न्याय सेवाएं सुलभ बनाने और कानून के शासक को बढ़ावा देने में मदद करती है कानूनी साक्षरता शिविरों और कार्यशालाओं का आयोजन और जनसंचार माध्यमों का उपयोग करके समाज के कमजोर वर्गों को कानूनी ज्ञान दिया जाता है लोगों को कानून से जुड़े मुद्दों के बारे में सशक्त बनाना ताकि वह अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो और उनका उपयोग कर सके। साधना मिश्रा द्वारा समाज के गरीब और वंचित वर्गों को न्याय सेवाएं प्राप्त करने में मदद करना लोगों की भागीदारी से कानून के शासक को मजबूत करना कानूनी साक्षरता से लोग अपने साथ होने वालेअन्य को पहचान सके और उसका विरोध कर सके नागरिक अपने राजनीतिक सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों को पहचाने और उनका प्रभावी ढंग से उपयोग करने में सक्षम हों कानून की जानकारी न होने पर लोग धोखाधड़ी शोषण और अपने अधिकारों से वंचित हो सकते हैं। जेंडर एक्सपर्ट सीमा द्विवेदी द्वारा बताया गया कि विधिक साक्षरता स्थिति को काम करती है इसके लिए राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण और अन्य संगठन गांव में कानूनी साक्षरता शिविर का आयोजन कर लोगों को जानकारी प्रदान करते हैं स्थानीय भाषाओं से कानूनी विषयों पर पुस्तकों और अन्य साहित्य के माध्यम से इसको जागरूक किया जा सकता है रेडियो टेलीविजन जैसे माध्यमों का उपयोग करके आम जनता में जागरूकता फैलाई जाती है। साथ ही मनोज दीक्षित द्वारा बताया गया कि विक्षा की, दिक्षिण से दीक्षा जैसे पोर्टल शिक्षा पर कानूनी सामग्री अपलोड की जाती है। कार्यक्रम में किरण, पल्लवी दीक्षित, श्रेया, प्रियंका, नंदलाल यादव, शशि प्रकाश एवं समस्त स्टाफ छात्राएं उपस्थित रहे।

नव नियुक्त कनिष्क सहायकों को राज्य मंत्री ने वितरित किया नियुक्ति पत्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। राज्यमंत्री समाज कल्याण विभाग संजीव गोंड व जिलाधिकारी बी०एन० सिंह द्वारा

आज कलेक्ट्रेट सभागार में उ०प्र० सरकार के राज्य अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से चयनित नवनियुक्त 05 कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम मा० मुख्यमंत्री जी, उ०प्र० सरकार द्वारा लखनऊ, लोक भवन स्थित ऑडिटोरियम में कतिपय नवनियुक्त कनिष्ठ सहायकों एवं एक्स–रे टेक्नीशियन को नियुक्ति पत्र प्रदान करने के उपरान्त प्रारम्भ हुआ, जिसका कलेक्ट्रेट सभागार में सीधा प्रसारण किया गया, इस मौके पर मा० समाज कल्याण मंत्री संजीव गोंड प्रतिनिधि, विधायक घोरावल प्रतिनिधि विधायक राबर्ट्सगंज, अन्य जनप्रतिनिधियों तथा जिलाधिकारी सोनभद्र, मुख्य चिकित्साधिकारी, सोनभद्र एवं अन्य विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे। आयोजित कार्यक्रम में मा० मुख्यमंत्री जी के सम्बोधन के सीधे प्रसारण के पश्चात् मुख्य चिकित्साधिकारी डा० अश्वनी कुमार द्वारा आमंत्रित अतिथियों का स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। मुख्य अतिथि मा० समाज कल्याण मंत्री संजीव गोंड द्वारा उपस्थित 05 नवनियुक्त कनिष्ठ सहायकों क्रमशः देवेश चतुर्वेदी, कुलदीप पटेल, संतोष कुमार, पूजा जायसवाल एवं सूरज कुमार गौतम को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया।

तत्पश्चात् मा० समाज कल्याण मंत्री द्वारा अपने सम्बोधन में नवनियुक्त कनिष्ठ सहायकों को बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामना दी गयी। कार्यक्रम का समापन जिलाधिकारी के शुभकामना संदेश एवं धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

दर्जन से अधिक बुलेट मोटरसाइकिलों का किया गया चालान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के निर्देश पर यातायात नियमों के उल्लंघन के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत –07.09.2025 की रात्रि को क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर कुमार मिश्रा के नेतृत्व में बुलेट मोटरसाइकिलों में अवैध रूप से रबर लगाकर पटाखा जैसी तेज आवाज निकालने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इस दौरान स्वर्ण जयंती चौक, धर्मशाला चौक, और चंडी तिराहा पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया, जिसमें दर्जनों मोटरसाइकिलों की जांच की गई। लगभग एक दर्जन से अधिक बुलेट चालकों के खिलाफ ई–चालान जारी किए गए, जबकि कई वाहन चालकों को रबर हटाने की चेतावनी देकर छोड़ा गया। सीओ रणधीर मिश्रा ने बताया कि यह अभियान पिछले कुछ दिनों से चलाया जा रहा है और आगे भी इसे व्यापक स्तर पर जारी रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि इस तरह की तेज आवाजें न केवल ध्वनि प्रदूषण फैलाती हैं, बल्कि इससे हृदय रोगियों व बुजुर्गों को गंभीर स्वास्थ्य खतरे हो सकते हैं।

जांच में खामियां पाए जाने पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कार्य मुक्त

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। म्योरपुर ब्लाक अंतर्गत जरहा ग्राम पंचायत के बरवाडांड में बाल विकास परियोजना अधिकारी म्योरपुर नागेंद्र कुमार ने आंगनबाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीडीपीओ ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता जाहिरी दुबे को पुष्टाहार वितरण में भारी अनियमितता पायी गयी। जिस पर सीडीपीओ ने उसे कारण बताओ नोटिस थमा दिया जिसका वो संतोषजनक जवाब नही दे पायी तो उसका वेतन रोकते हुए उसे कार्य मुक्त कर दिया गया। सीडीपीओ ने बताया कि ग्रामीणों की कई दिनों से शिकायत मिल रही थी कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ती द्वारा कार्य में लापरवाही बरती जा रही है जिसे 31 अगस्त को एक आंगनवाड़ी केंद्र की जांच की गयी थी जिसमे विभागीय दिशा निर्देशों का पालन नही किया गया बरवाडांड आंगनबाड़ी केंद्र पर पुष्टाहार बांटने की बजाए दिघुल के प्राथमिक विद्यालय में पुष्टाहार बाटने को कहा गया था जिसे उसे नही माना व दाल के पैकटों में घुन लगा हुआ मिला लाभार्थियों की संख्या से ज्यादा लोगो को पुष्टाहार बांटा गया जो घोर लापरवाही व अनुशासन हीनता का धोतक है आंगनबाड़ी कार्यकर्ती को तीन दिन का समय देकर कारण बताओ नोटिश दिया गया था जिसका भी सन्तोषजनक जवाब नही दे पायी और उसके विरुद्ध कार्यवाही कर दी गयी है।

बभनी चौराहे पर बने यात्री शेड बना कूड़े का अंबार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। बभनी मुख्य चौराहे पर बने यात्री शेड इन दिनों कूड़े

से भरा हुआ है। यात्री शेड करीब पंद्रह वर्ष पूर्व सांसद निधि से निर्माण हुआ था। मुख्य बाजार तथा चौराहे पर निर्माण होने से क्षेत्रवासियों के लिए बहुत बड़ी राहत मिली थी। यहां से छत्तीसगढ़ राज्य जाने वाले बसों के आने जाने का इंतजार यहीं बैठकर करते थे। लेकिन वर्तमान समय में कूड़े करकट से भरा हुआ है जिससे कोई भी व्यक्ति अंदर जाना नहीं चाहता है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि इसकी अच्छी तरह साफ सफाई हो जाती तो क्षेत्र के रहवासियों को बड़ी सुविधा मिल जाती। ग्रामीणों में सुरेश कुमार पवन कुमार अजीत कुमार रमेश अकेला अर्जुन राहुल कुमार अनिल सिंह आदि ने जिलाधिकारी का ध्यान आकर्षित कराया है।

रात के अँधियारे में पुलिस का बड़ा ऑपरेशन

तमंचा, कारतूस और बाइक के साथ वांछित अपराधी दबोचा गया

दैनिक बुद्ध का संदेश

महराजगंज। जिले में अपराधियों के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक वांछित अपराधी को मुठभेड़ के दौरान दबोच लिया। श्यामदेउरवा थाना पुलिस, भिटौली थाना पुलिस और स्वाट टीम की संयुक्त कार्रवाई में आरोपी सलीम पुत्र रहमतुल्लाह घायल अवस्था में गिरफ्तार हुआ।

उसके पास से एक देशी तमंचा, कारतूस और अपाची बाइक बरामद की गई। घटना बीती 7 सितम्बर की देर रात करीब ढाई बजे की है। पुलिस को सूचना मिली थी कि वांछित अभियुक्त धुस्ना पतरावल से छपिया की ओर जा रहा है। सूचना पर सक्रिय हुई पुलिस टीमों ने बसवार नहर पुलिया पर घेराबंदी कर चेकिंग शुरू की। इसी दौरान आरोपी वहां पहुंचा और पुलिस को देखते ही फायरिंग करने लगा। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में सलीम घायल हो गया और मौके पर दबोच लिया गया। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने आरोपी के पास से एक देशी तमंचा 315 बोर, एक खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस और एक अपाची मोटरसाइकिल बरामद की। घायल अभियुक्त को सीएचसी मस्तावल में भर्ती कराया गया है। एसपी सोमेंद्र मीना ने बताया कि अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कानून–व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

आकाशीय बिजली गिरने से युवक घायल, बैल की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। रविवार देर रात तेज गरज–चमक के साथ हुई बारिश के दौरान आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि उसके एक बैल की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मोहित (24) पुत्र हरिश्चंद निवासी ग्राम तुर्रीडीह थाना दुद्धी, रविवार की रात करीब 9:50 बजे अपने घर के सामने महुआ के पेड़ के नीचे मवेशियों को बांध रहा था। इसी बीच अचानक आकाशीय बिजली महुआ के पेड़ पर गिरी और उसकी चपेट में मोहित समेत एक बैल आ गया। हादसे में बैल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मोहित गंभीर रूप से झुलस गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल मोहित को एंबुलेंस द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी ले जाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। परिजनों के मुताबिक मोहित की हालत फिलहाल पहले से बेहतर बताई जा रही है। घटना स्थल पर करीब छह मवेशी बंधे हुए थे, जिनमें से केवल एक बैल की ही मौत हुई, जबकि बाकी सभी मवेशी सुरक्षित हैं।

स्थायी समाधान की ओर कदम, सिसवा में लगा नया ट्रांसफार्मर

दैनिक बुद्ध का संदेश

महाराजगंज। जनपद अंतर्गत सिसवा बाजार कस्बे के विद्युत

उपकेंद्र पर सोमवार को 5 एमवीए क्षमता का नया ट्रांसफार्मर लगाया गया। यह कदम उन हजारों उपभोक्ताओं के लिए राहत भरा साबित होगा, जो पिछले पांच महीनों से बार–बार लो–वोल्टेज, लोकल फॉल्ट और अनियमित बिजली आपूर्ति की समस्या से जूझ रहे थे। गर्मी के मौसम में एसी, कूलर और पंखों के बढ़ते उपयोग से बिजली खपत में कई गुना वृद्धि हुई थी। पुराना ट्रांसफार्मर क्षमता से अधिक लोड झेल नहीं पा रहा था और अक्सर ओवरहीट होकर खराब हो जाता था। इससे न केवल घरेलू उपभोक्ता बल्कि व्यापारी वर्ग भी प्रभावित हो रहा था। कस्बे के नागरिकों और व्यापारियों ने लगातार शिकायतें दर्ज कराई थीं। विभाग ने समस्या को गंभीरता से लेते हुए नया ट्रांसफार्मर स्थापित किया। सिसवा उपकेंद्र के उपखंड अधिकारी आशुतोष त्रिपाठी, एसडीओ मीटर राजेश कुमार और अवर अभियंता सुजीत चौरसिया ने बताया कि नए ट्रांसफार्मर से क्षेत्र में निर्बाध, स्थिर और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी। यह कदम न केवल घरेलू जीवन को आसान बनाएगा बल्कि व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देगा। बिजली की स्थिरता से शिक्षा, स्वास्थ्य और छोटे उद्योगों पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

गोली, फरसा, गाड़ी से कुचलने को लेकर दबंगों ने किया हमला, जिन्दा जलाने की धमकी

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र शोहरतगढ़ के पकड़ी बाजार के समीप रविवार की रात सनसनीखेज वारदात हुई। धनगढ़िया निवासी अतुल कुमार पाण्डेय अपने साथी विक्की के साथ किसी काम से पकड़ी चौराहे पर गया था। घर से डेढ़ किलोमीटर दूर ही दोनों बात–चीत कर रहे थे कि अचानक घात लगाये दबंगों ने उन पर हमला कर दिया। पीड़ित अतुल कुमार पाण्डेय ने बताया कि घटना के दौरान रंजीत नाम का शख्स आया और उसके दोस्त विक्की को गोली मारने की कोशिश की। किस्मत से गोली नहीं लगी। इसके बाद रंजीत ने विक्की की बाइक पर चार पहिया वाहन चढ़ा दी। टक्कर इतनी तेज थी कि विक्की लगभग दस फीट ऊपर उछलकर सड़क पर जा गिरा और गम्भीर रूप से घायल हो गया। अतुल कुमार पाण्डेय ने बताया कि वह भागकर खेत

की ओर जाने लगा लेकिन रंजीत, शीलू और 4–5 अन्य लोगों ने घेर लिया। सभी ने मिलकर उस पर हमला कर दिया। हमलावरों ने उसके सिर पर फरसा से वार किया और पैर की उंगलियां काट दीं। वह खून से लथपथ जमीन पर पड़ा तड़पता रहा, लेकिन कोई बचाने नहीं आया। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें एक शख्स कहता सुनाई देता है–पेट्रोल लो, इसको फूंक देते हैं। वीडियो में अतुल कुमार पाण्डेय खून से लथपथ जमीन पर तड़पता दिख रहा है जबकि आस–पास के लोग तमाशबीन बने रहे। पीड़ित अतुल कुमार पाण्डेय ने आरोप लगाया कि इस हमले के पीछे पकड़ी बाजार निवासी अनिल चौधरी का हाथ है। उसके मुताबिक अनिल से उसकी पुरानी रंजिश चली आ रही है और पहले भी हमला कर चुका है। रविवार रात का पूरा हमला उसी की साजिश थी, जिसे रंजीत, शीलू और बाकी लोग अंजाम देने आये थे। खूनी वारदात के बाद पकड़ी बाजार और आस–पास के गांवों में दहशत है। लोग हैरान हैं कि भीड़–भाड़ वाले इलाके में फरसा, गोली और चार पहिया वाहन का इस्तेमाल कर सरेआम हमला किया गया, लेकिन अपराधियों को रोकने वाला कोई नहीं था। वहीं सवाल यह उठ रहे हैं कि अपराधियों का हौसला इतना बुलन्द कैसे हुआ। क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ पवीन प्रकाश ने बताया कि यह मामला पुरानी रंजिश का प्रतीत होता है। पुलिस जांच कर रही है और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि अभी मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है। अतुल कुमार पाण्डेय ने कहा कि हमला किसी फिल्मी दृश्य से कम नहीं था। गोली चली, फरसा चला, गाड़ी से कुचलने की कोशिश हुई और जिन्दा जलाने की धमकी दी गई। उसने प्रशासन से मांग की कि दोषियों को कड़ी सजा दी जाये, ताकि आगे किसी के साथ ऐसा न हो।

जीपीएफ अदालत का सर्किट हाउस सोनभद्र में हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रयागराज के

द्वारा सामान्य भविष्य निधि खाता धारकों को सुगमता पूर्वक भुगतान किये जाने के उद्देश्य से आज सर्किट हाउस चुर्क सोनभद्र में वरिष्ठ उप महालेखाकार अभिषेक कुमार की अध्यक्षता में कोषागार निरीक्षण, कार्यशाला एवं सामान्य भविष्य निधि अदालत का आयोजन किया गया। वरिष्ठ उप महालेखाकार अभिषेक कुमार ने कार्यशाला के दौरान बताया कि जीपीएफ भुगतान की सभी प्रक्रियाएं ऑनलाइन कर दी गई हैं, जिसको आहरण वितरण अधिकारी द्वारा समय–समय पर चेक किया सकता है। जीपीएफ भुगतान प्रक्रिया ऑनलाइन होने से समयबद्ध भी हो गई है तथा इसका लाभ भी कार्मिकों को सेवानिवृत्त होने पर प्राप्त होगा। जीपीएफ अदालत के दौरान कार्मिकों के जीपीएफ मिसिंग, जीपीएफ भुगतान सम्बन्धी सभी लम्बित मामले, एनपीएस से जीपीएफ में स्थानान्तरित कार्मिकों से सम्बन्धित लम्बित प्रकरण, जीपीएफ सम्बन्धी शिकायतें एवं अन्य संवेदनशील मुद्दे इत्यादि प्रकरणों पर समीक्षा की गई। इसके साथ–साथ जीपीएफ भुगतान के दौरान आने वाली अन्य समस्याओं के बारे में जानकारी दी गई। जीपीएफ अदालत में मुख्य वरिष्ठ कोषाधिकारी सोनभद्र सहित महालेखाकार प्रयागराज के वरिष्ठ लेखाधिकारी वरुण कुमार यादव, राजदीप मिश्रा, लेखाकार इसरार अहमद, रामधुन, ललित कुमार दूबे व जनपद के विभागों के आहरण वितरण अधिकारी, लेखाकार आदि उपस्थित रहे।

कोन में कस्बा जाने वाली मुख्य सड़क गढ्ढों में तब्दील

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। विकास खंड कोन के कस्बा जाने वाली मुख्य सड़क की हालत काफी खराब हो गई है सड़क पर काफी जगहों पर बड़े बड़े गड्ढे होने की वजह से आवागमन में काफी परेशानी हो रही है वही हल्की बरसात होने पर भी गड्ढों में पानी भर जाता है जिससे पैदल आने जाने वाले स्कूली छात्रों सहित आम जनमानस को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है जिसे लेकर स्थानीय कस्बा के लोगों में काफी नाराजगी है। कस्बा निवासी नेहालचंद गुप्ता, डा विजय नारायण, राजेश जायसवाल, अवधेश गुप्ता, शम्भू नाथ, गुड्डू राजन प्रसाद, बच्चन प्रसाद, लल्लन समेत दर्जनों लोगों का कहना है कि मुख्य मार्ग से कस्बा को जोड़ने वाली छोटी सी

सड़क की हालत का इतना खराब होना जिम्मेदारों कि लापरवाही साफ तौर से दिखाई दे रही है ग्रामीणों का कहना है कि सड़क जो बने लगभग दस वर्ष हो चुके है जबकि लगभग छः हजार आबादी वाले कस्बा का आने जाने वाला एक मात्र मुख्य सड़क है इसके बावजूद सड़क की हालत पिछले कई सालों से खराब है सड़क पर बने बड़े बड़े गड्ढे हल्की बरसात होते ही पानी से भर जाता है जिस पर चलना काफी मुश्किल है वही बाइक सवार लोग आये दिन गिरकर चोटिल हो जा रहे है छोटे बच्चे स्कूल नहीं जा पाते है वही इस सड़क के किनारे बने नालियों की स्थिति टूटी फूटी होने की वजह से पानी की निकासी सही ढंग से नहीं हो पा रही है जिससे नालियों का पानी भी सड़क पर बह रहा है वही जिम्मेदारो द्वारा न ही नालिया साफ करवाई जाती है न ही नालियों की मरम्मत कराई जाती है। वही ग्रामीणों ने उच्चधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए सड़क व नाली निर्माण की मांग उठाई है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

बेलमकोंडा साई श्रीनिवास और अनुपमा परमेश्वरन की फिल्म किष्किंधापुरी का रोंगटे खड़े कर देने वाला ट्रेलर जारी

बेलमकोंडा साई श्रीनिवास, अनुपमा परमेश्वरन, कौशिक पेगल्लापति, साहू गरपति, शाइन स्क्रीन्स का किष्किंधापुरी का रोंगटे खड़े कर देने वाला ट्रेलर जारी

बेलमकोंडा साई श्रीनिवास अपनी आगामी फिल्म किष्किंधापुरी से रोमांचित होने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह अपनी तरह की पहली रहस्यमयी थ्रिलर है जिसने अपने दिलचस्प टीजर और मनमोहक गीत से पहले ही उत्सुकता जगा दी है। कौशिक पेगल्लापति द्वारा निर्देशित और शाइन स्क्रीन्स बैनर तले साहू गरपति द्वारा निर्मित, इस फिल्म ने अब अपने मनोरंजक थियेट्रिकल ट्रेलर के रिलीज के साथ उम्मीदें और भी बढ़ा दी हैं।

ट्रेलर भूत और रहस्यमयी परिवेश, दोनों के एक भयावह परिचय के साथ माहौल तैयार करता है। किष्किंधापुरी के भयावह शहर में स्थापित, यह कहानी सुवर्ण माया नामक एक अशुभ घर के इर्द-गिर्द घूमती है। जब नायक, उसकी प्रेमिका और जिज्ञासु साथियों का एक समूह अलौकिक मुठभेड़ों की तलाश में घर में प्रवेश करते हैं, तो वे जल्द ही खुद को एक भयावह परीक्षा में फँसा पाते हैं। कहानी उनके भीतर की दुष्ट शक्तियों से बचने के संघर्ष पर आधारित है।

निर्देशक कौशिक पेगल्लापति ने तेलुगु सिनेमा में एक दुर्लभ शैली को सामने लाकर एक साहसिक कदम उठाया है। एक अनोखी कहानी और एक खौफनाक कहानी के साथ, उन्होंने एक ऐसी दुनिया गढ़ी है जो डरावनी है। बेचैन कर देने वाली पृष्ठभूमि और डरावने दृश्य सिहरन पैदा कर देते हैं, जो एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव की ओर इशारा करते हैं।

बेल्लमकोंडा साई श्रीनिवास, जो अपेक्षाकृत साधारण भूमिका में शुरुआत करते हैं, तनाव बढ़ने पर अपनी पूरी अभिनय क्षमता, अपने नाता विश्वरूपम, का प्रदर्शन करते हैं। उनकी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और प्रभावशाली संवादों ने उन्हें अलग ही पहचान दिलाई है। अनुपमा परमेश्वरन ने दमदार अभिनय किया है, खासकर ट्रेलर के आखिरी पलों में, जहाँ वे भूत-प्रेत से ग्रस्त दिखाई देती हैं।

नेल्लोर सुदर्शन और हाइपर आदी सहित सहायक कलाकार इस अन्यथा गहन थ्रिलर में हास्य राहत प्रदान करते हैं, तथा हास्य और डरावनी का एक स्वागत योग्य संतुलन प्रदान करते हैं।

इस तरह की फिल्म के लिए मजबूत तकनीकी निष्पादन की जरूरत होती है, और किष्किंधापुरी निराश नहीं करती। सिनेमैटोग्राफर चिन्मय सालस्कर ने भुतिया माहौल को खूबसूरती से कैद किया है, जिससे फिल्म का खौफनाक मूड और भी बढ़ गया है। चैतन भारद्वाज का बैकग्राउंड स्कोर इसे और भी रोमांचक बनाता है और सस्पेंस को और भी बढ़ा देता है। कला निर्देशक डी. शिव कामेश और प्रोडक्शन डिजाइनर मनीषा ए. दत्त ने दृश्य प्रामाणिकता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जबकि शाइन स्क्रीन्स ने उच्च प्रोडक्शन वैल्यू प्रदान की है। निरंजन देवरामने ने संपादन का कार्यभार संभाला है, जी. कनिष्क क्रिएटिव हेड हैं और दाराहस पलाकोल्लू ने पटकथा का सह-लेखन किया है।

12 सितंबर को रिलीज होने में बस कुछ ही दिन बाकी हैं, और ट्रेलर ने किष्किंधापुरी को लेकर चर्चा को और तेज कर दिया है। रोंगटे खड़े कर देने वाले पलों, दमदार अभिनय और अनोखे कथानक से भरपूर यह फिल्म रोमांच चाहने वालों और शैली प्रेमियों, दोनों के लिए एक अनोखा अनुभव देने का वादा करती है।

थिएटर के बाद ओटीटी पर दिखेगा रजनीकांत का स्वैग, 11 सितंबर से अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी कुली

फिल्म कुली में 74 साल के रजनीकांत का एक्शन अंदाज देखकर दर्शकों ने सिनेमाघरों में खूब तालियां बजाईं। इस फिल्म ने बाक्स आफिस पर भी अच्छा-खासा कलेक्शन किया है। अब फिल्म कुली ओटीटी पर भी रिलीज होने वाली है। जानिए, ओटीटी पर कुली किस तारीख को रिलीज हो रही है। फिल्म कुली 11 सितंबर को अमेजन प्राइम पर रिलीज होगी। यह फिल्म तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषा में रिलीज हो रही है। लेकिन ये कुली कब ओटीटी पर आएगी, अभी इसकी जानकारी साझा नहीं की गई है। कुली ने बाक्स आफिस पर अब तक 282.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। यह फिल्म अभी भी सिनेमाघरों में लगी है। फिल्म कुली एक गैंगस्टर ड्रामा फिल्म है। इसमें रजनीकांत के अलावा नागार्जुन, उपेंद्र, आमिर खान, सत्यराज जैसे कलाकार भी नजर आए। ये सभी एक्टर्स गैंगस्टर के रोल में नजर आए हैं। साथ ही एक्ट्रेस श्रुति हासन इस फिल्म में नजर आईं। कुली को लोकेशन कनगराज ने डायरेक्ट किया है।

दिविता जुनेजा की फिल्म हीर एक्सप्रेस का ट्रेलर रिलीज, आशुतोष राणा और गुलशन ग्रोवर संग नजर आए नए चेहरे

फिल्म हीर एक्सप्रेस का ट्रेलर मेकर्स ने साझा किया है। ट्रेलर में एक तरफ रोमांटिक एंगल है, वहीं एक लड़की हीर के सपनों की कहानी है। ट्रेलर में हीर का लीड रोल निभाने वाली दिविता

जुनेजा और एक्टर प्रीत कमानी के किरदार के बीच रोमांस दिखाया गया। लेकिन हीर एक्सप्रेस के ट्रेलर में सिर्फ रोमांस नहीं है, इसमें फैमिली और अपने ड्रीम्स को पूरा करने की कहानी भी है।

आगे ट्रेलर में आशुतोष राणा, गुलशन ग्रोवर भी नजर आए, ये उम्दा कलाकार नेगेटिव रोल में नहीं हैं, इस फिल्म में इन बेहतरीन कलाकारों के किरदार काफी हटकर नजर आने वाले हैं। हीर (दिविता जुनेजा) फिल्म में आशुतोष राणा के किरदार से किया वादा ही पूरा करना चाहती है। इस वादे को, सपने को पूरा करने की राह में उसे कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। यह फिल्म लंदन में शूट हुई है। लंदन की खूबसूरत झलक फिल्म के ट्रेलर में भी नजर आती है।

उमेश शुक्ला निर्देशित यह फिल्म 12 सितंबर 2025 को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में संजय मिश्रा भी नजर आएंगे। इस फिल्म में उनका कामिक अंदाज नजर आएगा।

नई शुरुआत को लेकर एक्साइटेड रीम शेख, शेयर की पोस्ट

रीम अपनी पोस्ट के कैप्शन में लिखती हैं, नए चैप्टर की शुरुआत। अपनी पोस्ट में ही रीम लिखती हैं, गर्म काफी, गुलाब

के फूल और नई शुरुआत पसंद है। बताते चलें कि आज 8 सितंबर को रीम शेख अपना जन्मदिन मनाएंगी। इस बात को लेकर ही वह पोस्ट कर रही हैं। जन्मदिन पर वह जिंदगी के एक नए चैप्टर की शुरुआत करेंगी। रीम शेख के फैंस, सोशल मीडिया यूजर्स ने भी एक्ट्रेस को एडवांस में बर्थ डे विश किया है। रीम शेख के करियर फ्रंट की बात करें तो हाल ही में वह रियलिटी शो लाफ्टर शेफ 2 में नजर आईं। रीम शेख इस साल एक वेब सीरीज द फर्जी लव स्टोरी में भी नजर आ चुकी हैं। उन्होंने 6 साल की उम्र में अभिनय की दुनिया में कदम रखा, जब उन्हें इमेजिन टीवी के धारावाहिक, टेढ़ी मीर भरे तेरे नैना में मुख्य किरदार निभाने के लिए चुना गया। इस भूमिका के लिए उन्हें 2010 में न्यू टैलेंट पुरस्कार भी मिला था। तब से उन्होंने कई टीवी धारावाहिकों में अभिनय किया है, विशेषकर चक्रवर्ती अशोक सम्राट में कौरवाकी के रूप में। वह विभिन्न उत्पादों के लिए 100 से अधिक टीवी विज्ञापनों में भी दिखाई दी हैं। रीम ने सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार श्रेणी में कुछ पुरस्कार भी जीते हैं। उनकी पहली फिल्म, गुल मक्का, सबसे कम उम्र की नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई की बायोपिक है। 2018 में, वह कलर्स टीवी के लोकप्रिय शो तू आशिकी में जान्या सेठ के रूप में, और साथ ही जी टीवी के धारावाहिक, तुझसे है राब्ता में भी मुख्य भूमिका में नजर आईं। दूसरे वाले के लिए उन्हें जी ऋषि नया सदस्य पुरस्कार भी प्राप्त हुआ है।

कपड़ों पर लगे पेन के दागों को छुड़ाने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

कपड़ों पर पेन का दाग लगना एक आम समस्या है, जो किसी भी समय और किसी भी जगह हो सकती है, खासकर बच्चों के कपड़ों पर यह दाग बहुत जल्दी लग जाते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और असरदार तरीकों के बारे में बताएंगे, जिनसे आप कपड़ों पर लगे पेन के दागों को आसानी से साफ कर सकते हैं। इन तरीकों को अपनाकर आप अपने कपड़ों को नए जैसा बना सकते हैं।

रबिंग अल्कोहल का करें इस्तेमाल

रबिंग अल्कोहल एक असरदार उपाय है, जिससे आप कपड़ों पर लगे पेन के दागों को आसानी से साफ कर सकते हैं। इसके लिए एक कपड़े पर थोड़ी मात्रा में रबिंग अल्कोहल डालें और उसे हल्के हाथों से रगड़ें। इससे दाग धीरे-धीरे हटने लगेगा। अगर दाग ज्यादा गहरा हो तो इसे कुछ मिनट के लिए छोड़ दें, फिर से रगड़ें। इस प्रक्रिया को 2-3 बार दोहराएं ताकि दाग पूरी तरह से हट जाए।

डिटर्जेंट पाउडर या लिक्विड का करें उपयोग

डिटर्जेंट पाउडर या लिक्विड भी पेन के दाग हटाने में मदद कर सकता है। इसके लिए पहले डिटर्जेंट पाउडर या लिक्विड को पानी में घोल लें, फिर इसे दाग वाली जगह पर लगाएं और कुछ देर के लिए छोड़ दें। इसके बाद हल्के हाथों से रगड़ें और ठंडे पानी से धो लें। अगर दाग हल्का हो गया हो तो इसे दोहराएं। इस प्रक्रिया को 2-3 बार दोहराने पर दाग पूरी तरह से हट सकता है।

नींबू का रस और नमक का मिश्रण अपनाएं

नींबू का रस और नमक का मिश्रण भी पेन के दाग छुड़ाने में कारगर हो सकता है। इसके लिए नींबू के रस में थोड़ा नमक मिलाएं और इसे दाग वाली जगह पर लगाकर कुछ मिनट के लिए छोड़ दें। फिर इसे हल्के हाथों से रगड़ें और ठंडे पानी से धो लें। इस प्रक्रिया को 2-3 बार दोहराने पर दाग पूरी तरह से साफ हो जाएगा। यह तरीका कपड़ों को नुकसान पहुंचाए बिना काम करता है।

बेकिंग सोडा आएगा काम

बेकिंग सोडा एक ऐसा सामग्री है, जिसका इस्तेमाल कई घरेलू कामों में किया जाता है। यह पेन के दाग हटाने में भी मदद कर सकता है। इसके लिए बेकिंग सोडा को पानी में मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बनाएं, फिर इस पेस्ट को दाग वाली जगह पर लगाएं और कुछ मिनट तक छोड़ दें। इसके बाद इसे हल्के हाथों से रगड़ें और ठंडे पानी से धो लें।

हेयरस्प्रे भी है असरदार

हेयरस्प्रे भी पेन के दाग हटाने में मदद कर सकता है। इसके लिए हेयरस्प्रे को दाग वाली जगह पर छिड़कें और कुछ देर सूखने दें, फिर इसे हल्के हाथों से रगड़ें। इसके बाद ठंडे पानी से धो लें। इन सभी तरीकों को अपनाकर आप आसानी से अपने कपड़ों से पेन के दाग हटा सकते हैं और उन्हें नए जैसा बना सकते हैं। इन उपायों को आजमाकर देखें और अपने कपड़ों को साफ-सुथरा रखें।